PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 265 ● भिलाई, शुक्रवार 01 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

विधानसभा का विशेष सत्र

सीएम साय ने पेश किया महिला आरक्षण बिल पर चर्चा का प्रस्ताव, विपक्ष ने गुमराह करने का लगाया आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के विशेष सत्र में विपक्ष के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के लिए शासकीय संकल्प प्रस्ताव पेश किया. आसंदी ने चर्चा के लिए 4 घण्टे का समय निर्धारित किया।

मुख्यमंत्री साय के प्रस्ताव के बाद नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत अशासकीय संकल्प प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे आसंदी ने अग्राह्य कर दिया. इस पर डॉ. महंत ने कहा कि मुख्यमंत्री तो निंदा प्रस्ताव लाने वाले थे, लेकिन यह शासकीय संकल्प प्रस्ताव तो निंदा पर नहीं है।

इसके साथ ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया. विपक्ष ने आरोप लगाया कि सदन के बाहर और अंदर सत्ता पक्ष की ओर महिलाओं को गुमराह किया जा रहा है।

प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विधायक लता उसेंडी ने कहा कि महिला आरक्षण पर रुकावट बनने का काम विपक्ष ने किया. महिला आरक्षण बिल को लोकसभा में गिराने का काम विपक्ष ने किया. महिलाओं की भावनाओं और सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया।

कांग्रेस का पक्ष रखते हुए अनिला भेड़िया ने कहा कि महिला आरक्षण का कांग्रेस समर्थन करती है. महिला आरक्षण 2029 में लागू किया जाना चाहिए, 2023 में बिल पारित है. इसे तत्काल लागू किया जाना चाहिए, जिन्होंने नारी का अपमान किया उसका विनाश हुआ है. रामायण में माता सीता का हरण और रावण का विनाश नारी अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा और सम्मान का उदाहरण है।

मध्य प्रदेश के धार में मजदूरों से भरा पिकअप वाहन पलटा, 16 लोगों की मौत

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जताया हादसे पर दुख, मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता का ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार जिले में इंदौर अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिकलिया फाटा के पास बुधवार रात मजदूरों से भरा एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में 6 बच्चों समेत 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है।

जानकारी के अनुसार, धार जिले के तिरला थाना क्षेत्र में चिकलिया फाटा पर जिओ पेट्रोल पंप के पास बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित हो गया और तीन-चार बार पलटी खाते

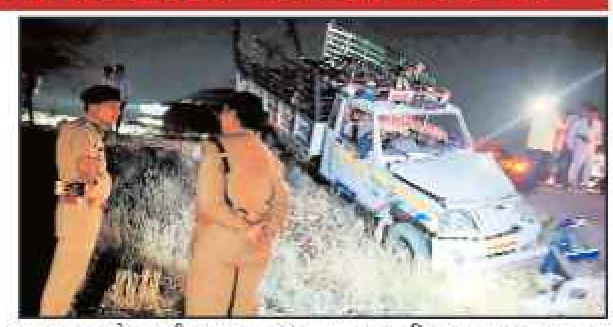

हुए सड़क के दूसरी तरफ जाकर स्कॉर्पियो से टकरा गया। पिकअप वाहन करीब 100 किलोमीटर की रफ्तार में था। प्रत्यक्षदर्शी शुभम सिसोदिया ने बताया कि हादसे के समय मैं घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर मौजूद था। स्कॉर्पियो मांगूद से धार की ओर जा रही थी, जबकि पिकअप वाहन धार से मांगूद की तरफ आ रहा था। इसी दौरान अचानक पिकअप का टायर फट गया। अनियंत्रित होकर पिकअप डिवाइडर को पार करते हुए रॉन्ग साइड में आ गया और सामने से आ रही स्कॉर्पियो से टकरा गया और फिर पलट गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई. राहगीरों और स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर तत्काल राहत कार्य शुरू किया।

ईरान जब तक परमाणु हथियार बनाने की जिद्द नहीं छोड़ता तब तक नाकेबंदी जारी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ईरान को परमाणु समझौते की शर्तों पर सहमत होने की चेतावनी देते हुए कहा है कि ऐसा न होने पर अमेरिका उसके बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखेगा और आर्थिक दबाव बढ़ाएगा।

ट्रम्प ने दोहराया कि यदि ईरान परमाणु हथियार बनाना जारी रखता है, तो उसके साथ 'कभी कोई समझौता नहीं' होगा। दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल नागरिक उद्देश्यों के लिए है।

अमेरिकी राष्ट्रपति और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ईरान के ताजा प्रस्ताव पर चर्चा कर रही है, जिसमें ईरान ने पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और नाकेबंदी हटाने का सुझाव दिया है,

जबकि परमाणु वार्ता को स्थगित करने की बात कही है।

नाकेबंदी जारी रखने के ट्रंप के फैसले से वैश्विक तेल बेंचमार्क 'ब्रेंट क्रूड' की कीमतें गुरुवार को 125 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुँच गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि नाकेबंदी प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई से अधिक प्रभावी हो सकती है। उन्होंने ईरान से जल्द कार्रवाई करने का आग्रह किया और कहा कि अधिकारी जरूरत पड़ने पर महीनों तक नाकेबंदी जारी रखने के तरीके खोज रहे हैं। अमेरिकी नीति निर्माताओं का मानना है कि लंबे समय तक लगे प्रतिबंध अंततः ईरान को तेल उत्पादन रोकने के लिए मजबूर कर सकते हैं। यह संघर्ष अब दसवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जबकि इसके चार से छह सप्ताह में सुलझने की उम्मीद थी। होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रतिबंधित रहने से वैश्विक आपूर्ति से प्रतिदिन लगभग दो करोड़ बैरल तेल कम हो रहा है।

अमेरिका की इस लंबी नाकेबंदी की तैयारी से एशियाई अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। क्षेत्र के कई देश ऊर्जा आपूर्ति के लिए इस जलडमरूमध्य पर निर्भर हैं और कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, प्लास्टिक तथा उर्वरकों की आपूर्ति में कमी महसूस की जा रही है।

वैष्णव ने जम्मू में श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस की विस्तारित सेवा को दिखाई हरी झंडी

जम्मू। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यहां श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस की जम्मू तक विस्तारित सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, स्थानीय प्रतिनिधि और रेलवे के अधिकारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। गौरतलब है कि यह ट्रेन पहले श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, अब श्रीनगर से जम्मू तवी तक चलेगी। इस तरह से देश की सबसे आधुनिक ट्रेन सीधे जम्मू-कश्मीर के सबसे बड़े शहर और रेलवे केंद्र तक पहुँच जाएगी।

इस मौके पर वैष्णव कहा, इस ट्रेन को पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कटरा से हरी झंडी दिखाई

थी और यह कटरा से श्रीनगर जाती थी। आज इस ट्रेन की सेवा का विस्तार किया गया है। अब यह ट्रेन जम्मू से श्रीनगर तक बढ़ायी जा रही है। पहले इसमें आठ कोच थे, जिनकी संख्या अब बढ़ाकर 20 कर दी गयी है। वहीं, अब्दुल्ला ने कहा, इस अवसर पर मैं वैष्णव और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ। आज, हमने रेलवे के माध्यम से जम्मू को कश्मीर से जोड़ दिया है। आठ कोचों से बढ़ाकर 20 कोचों वाली यह ट्रेन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब और भी अधिक लोग आसानी से यात्रा कर सकेंगे।

डॉ. सिंह ने कहा, जम्मू रेलवे स्टेशन पर नयी 20-कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे इस इलाके में रेल सम्पर्क को काफी बढ़ावा मिला है। इस मौके पर वैष्णव, अब्दुल्ला और दूसरे गणमान्य लोग मौजूद थे।

धर्मशाला पहुंचे राहुल पार्टी की जिला स्तरीय कार्यशाला में हुए शामिल

शिमला। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति के तहत गुरुवार को

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी की जिला इकाई को ज्यादा सक्रिय और मजबूत बनाने के लिए आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया। कांग्रेस के 'संगठन सृजन' कार्यक्रम के तहत आयोजित इस कार्यशाला में गांधी ने जिला स्तर पर संगठन को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी की असली ताकत बूथ और जिला स्तर पर नीहित है इसलिए स्थानीय इकाइयों को ज्यादा सक्रिय, जवाबदेह और जनता से सीधे जुड़ा होना चाहिए। गांधी के धर्मशाला पहुंचने पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प को दोहराया। गौरतलब है कि गांधी पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस संगठन को निचले स्तर से मजबूत करने पर लगातार फोकस कर रहे हैं। 'संगठन सृजन' अभियान के तहत देश भर में जिला और ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण और संवाद की प्रक्रिया चल रही है जिसके तहत कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क अभियान, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग, युवा और महिला भागीदारी बढ़ाने तथा स्थानीय मुद्दों को ज्यादा प्रभावी ढंग से सक्रियता के लिए इस तरह की कार्यशालाओं के जरिये प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कच्चे तेल में तेजी से लुढ़के शेयर बाजार सेंसेक्स 900 अंक से ज्यादा फिसला

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जारी तेजी से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 900 अंक से अधिक लुढ़क गया।

पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित रहने से कच्चा तेल पिछले कुछ दिनों से लगातार चढ़ता जा रहा है। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज 5.5 प्रतिशत उछलकर 123 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। इससे घरेलू शेयर बाजारों में निवेश धारण प्रभावित हुई है क्योंकि भारत 90 प्रतिशत पेट्रोलियम के लिए आयात पर निर्भर है। इसके अलावा रुपये पर जारी दबाव से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हो रही है। सिर्फ दूसरा मौका है जब बीच कारोबार में एक डॉलर 95 रुपये से ऊपर बोला गया है। सेंसेक्स 482.15 अंक टूटकर 77,014.21 अंक पर खुला और खबर लिखे जाते समय 824.55 अंक (1.06 प्रतिशत) उतरकर 76,671.81 अंक पर रहा। एक समय यह 994 अंक फिसलकर 76,502.16 अंक तक रह गया था।

महिला आरक्षण पर यूपी विधानसभा में हंगामा, सत्ता पक्ष-विपक्ष आमने-सामने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और टकराव देखने को मिला। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने साफ तौर पर कहा कि यह मुद्दा केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का है, इसलिए इस पर राज्य विधानसभा में चर्चा नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने सरकार के प्रस्ताव का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है । उनके इस बयान के बाद सदन में माहौल गरमा गया।वहीं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने विपक्ष के

रुख पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण को लेकर सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह मुद्दा पूरे देश व प्रदेश की महिलाओं के सम्मान और अधिकारों से जुड़ा है। विपक्ष द्वारा इस पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

स्थिति को संभालने के लिए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विषय पर सदन में चर्चा कराई जा सकती है और अध्यक्ष को विशेष अधिकार प्राप्त हैं, जिनका प्रयोग करते हुए इस विषय पर चर्चा कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अभी चर्चा शुरू भी नहीं हुई है और विपक्ष पहले से ही उतावला दिखाई दे रहा है। उन्होंने विशेष सत्र के आयोजन के लिए सभी सदस्यों का अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वर्ष 2023 में केंद्र सरकार द्वारा पारित महिला वंदन अधिनियम महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

सेंटकॉम ने ईरान पर हमले के लिए हाइपरसोनिक मिसाइल की मांग की

वॉशिंगटन। अमरीकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के खिलाफ संभावित हमले के लिए हाइपरसोनिक मिसाइल डार्क ईगल की मांग की है। ब्लूमबर्ग न्यूज़ एजेंसी ने यह जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि इस मांग की वजह ईरानी लॉन्च सिस्टम को फिर से तैनात करना है, जो प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइलों की पहुंच से दूर हैं, जो 300 मील से ज्यादा दूरी के लक्ष्य पर हमला करती हैं। एजेंसी के मुताबिक, अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। अगर फैसला होता है, तो यह अमरीकी हाइपरसोनिक मिसाइलों की पहली तैनाती होगी। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर हमले किए, जिससे जान माल नुकसान हुआ। ईरान ने जवाब में इज़रायली इलाके और पश्चिम एशिया में अमरीकी सैन्य ठिकानों पर हमले किये।

गत 11 अप्रैल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद ईरान और अमेरिका ने इस्लामाबाद में बातचीत की। 12 अप्रैल को अमरीकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख एवं उपराष्ट्रपति जेडी वैन्स ने कहा कि ईरान और अमेरिका बातचीत के दौरान किसी समझौते पर नहीं पहुँच पाए।

बड़े ठेका कारोबारी चतुर्भुज राठी के ठिकानों पर ED की दबिश, सरकारी प्रोजेक्ट्स में गड़बड़ी की शिकायत पर जांच जारी

दुर्ग 30 अप्रैल । छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है, जहाँ प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम ने दिग्गज कारोबारी और भाजपा नेता चतुर्भुज राठी के घर और दफ्तर पर दबिश दी है। सुबह-सुबह हुई इस कार्रवाई से पूरे व्यापारिक जगत और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम पुलगांव स्थित चतुर्भुज राठी के 'अमर इंफ्रा' नामक ऑफिस पहुंची है। चतुर्भुज राठी जिले के बड़े ठेका कारोबारियों में शुमार हैं और उनके पास राज्य के कई महत्वपूर्ण सरकारी प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी है।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि ईडी की यह टीम बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स में हुए लेन-देन और कथित वित्तीय गड़बड़ी की जांच के सिलसिले में पहुंची है। टीम फिलहाल ऑफिस और घर के दस्तावेजों को खंगाल रही है और परिवार व कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर ठिकानों के बाहर केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है।

जातिगत जनगणना की रूपरेखा अब तक अस्पष्ट : कांग्रेस

धर्मशाला। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार टालमटोल के बाद भले ही जातिगत जनगणना कराने पर सहमत हुई है लेकिन जनगणना कैसे होगी इसकी रूपरेखा को लेकर अब तक कोई स्पष्ट नीति सामने नहीं आई है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आज से ठीक एक वर्ष पहले सरकार ने जनगणना में जातिगत गणना शामिल करने की घोषणा की थी लेकिन एक साल बीतने के बावजूद इसके क्रियान्वयन को लेकर स्थिति अब भी अस्पष्ट बनी हुई है।

उन्होंने इस मुद्दे पर सरकार के

रुख में आए बदलाव को 'नाटकीय यू-टर्न' बताते हुए घटनाक्रम का क्रमवार उल्लेख किया और कहा कि 21 जुलाई 2021 को गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा था कि सरकार ने नीति के तौर पर जाति आधारित जनगणना नहीं कराने का निर्णय लिया है। फिर 21 सितंबर 2021 को केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय दायर हलफनामे में भी इसी रुख को दोहराया। रमेश के अनुसार 16 अप्रैल 2023 को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नियमित जनगणना के साथ अद्यतन जाति जनगणना कराने की मांग की थी। इसके बावजूद 28 अप्रैल 2024 को एक साक्षात्कार में मोदी ने इस मांग को अर्बन नक्सल सोच से प्रेरित बताया था। रमेश ने कहा कि इसके ठीक एक वर्ष बाद 30 अप्रैल 2025 को सरकार ने जातिगत जनगणना की घोषणा कर दी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार का रुख लगातार बदलता रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस बयान पर माफी मांगने और देश की जनता को इस बदलाव के कारण स्पष्ट करने की मांग की।

CMYK

1 मई से शुरू होगा मकान सूचीकरण व गणना कार्य, 1861 प्रगणक घर-घर देंगे दस्तक

बलौदाबाजार। भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत जनगणना 2026 के प्रथम चरण जिले में 1 मई से शुरू होकर 30 मई तक चलेगा। इस दौरान 1861 प्रगणक घर -घर जाकर मकानों की सूचीकरण व गणना हेतु मोबाइल एप्प के माध्यम से डिजिटल डाटा संग्रहण करेंगे। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार को चार्ज अधिकारियों की ऑनलाइन बैठक लेकर प्रथम चरण की जनगणना का कार्य सावधानी पूर्वक समय- सीमा में पूरा करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि सभी प्रगणक 30 अप्रैल को ही मोबाइल एप्प में लॉग इन कर लें ताकि किसी प्रकार की कोई तकनिकी समस्या हो तो समय पर निराकरण हो सके। उन्होंने चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया कि मकान सूचीकरण व गणना का कार्य 15 मई तक पूर्ण करने का कार्ययोजना बनाएं, इसके साथ ही कन्ट्रोल रूम बनाकर गणना कार्य का मॉनिटरिंग करें।उन्होंने सभी प्रगणको व सुपरवाइजर को आइडेंटिटी कार्ड अवश्य धारण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि गणना के दौरान लोगों को जनगणना के बारे में पूरी जानकारी देकर संतुष्ट करें और सहयोग का आग्रह करें। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि जनगणना के लिये आने वाले प्रगणकों को बेझिझक सही-सही जानकारी दें। आपके द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहेगी। स्पष्ट प्रावधान है कि आपके द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं होगा। जनगणना के आंकड़े किसी योजना के हितग्राहियों की पात्रता के लिए नहीं बल्कि कल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन कार्य के लिये आधार बनते है। बताया गया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जायेगा। जनगणना कार्यक्रम के तहत प्रगणक घर-घर जाकर मोबाइल एप का उपयोग कर डिजिटल डाटा संग्रह करेंगे। साथ ही लोगों द्वारा पोर्टल पर स्व-गणना के तहत भरी गई जानकारी का सत्यापन भी करेंगे। दोनों तरह से प्राप्त डाटा की बहुस्तरीय जाँच होगी। पहले यह कार्य पर्यवेक्षकों द्वारा किया जायेगा। साथ ही चार्ज अधिकारी भी मैदान में जाकर पुनः सत्यापन कर त्रुटियां ठीक करायेंगे। मकान सूचीकरण व गणना के लिये जिले में 1861 प्रगणक व मॉनिटरिंग के लिए 309 सुपरवाइजर की ड्यूटी लगाई गई है। तहसीलदार व मुख्य नगर पालिका अधिकारी को चार्ज अधिकारी बनाया गया है।जिले में 9 तहसील व 8 नगरीय निकाय है। इस तरह जिले में कुल 17 चार्ज बनाए गए है। मकान सूचीकरण व गणना के लिये प्रत्येक चार्ज को हाउसलिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) में विभाजित किया गया है जिसमें एक एचएलबी में 150 से 180 मकान संख्या रखा गया है। 17 चार्ज में कुल 1978 एचएलबी बनाए गए है। प्रत्येक प्रगणक को एक या 2 एचएलबी गणणा हेतु आवंटित किया गया है।

कलेक्टर द्वारा कराई गई जांच में नगर पालिका द्वारा चौक सौंदर्यीकरण में लगाए गए मूर्तियों को गुणवत्तापूर्ण पाया गया

बलौदाबाजार। नगर पालिका द्वारा नगर सौंदर्यीकरण हेतु चौक चौराहों को सुसज्जित करने का कार्य प्रगतिरत है, किन्तु कुछ अज्ञात तत्व अच्छे कार्यों पर अड़ंगा भी लगाते है, विगत कुछ माह पूर्व निर्मित षष्ठी मन्दिर के सामने के चौक सौंदर्यीकरण व वार्ड क्रमांक 2 में भारत माता की मूर्ति के साथ लगाई गई अन्य मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने कहा कि कार्य गुणवत्तापूर्ण कराया गया था, दोनों स्थानों पर सुसज्जित कलाकृति युक्त मूर्ति की गुणवत्ता पर कलेक्टर जिला बलौदाबाजार भाटापारा के द्वारा 3 सदस्यों की कमेटी के माध्यम से विस्तृत जांच भी कराई गई, जांच रिपोर्ट नगर पालिका को प्राप्त हुआ है, व जांच दल ने क्रमशः जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें गार्डन चौक से षष्ठी मंदिर तक सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया जिसमे लगाई गई मूर्ति एफ़आरपी मटेरियल निर्मित थी जिसे किसी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया था जिसकी सूचना स्थानीय सिटी कोतवाली को दी गई थी, लगाई गई मूर्तियों के गुणवत्ता पर सवाल भी उठाए गए थे। जांच अनुसार उक्त मूर्तियों का कार्य गुणवत्ता एवं प्राक्कलनअनुसार किया गया है,व भारत माता की मूर्ति के साथ निर्मित अन्य मूर्तियां भी थी दोनों स्थानों के मूर्तियों को अज्ञात तत्वों द्वारा तोड़ा गया व जानबूझकर तोड़ा गया ऐसा प्रतीत होना जांच प्रतिवेदन में उल्लेखित किया गया है। मूर्तियों के तोड़े जाने की जानकारी मिलते ही मूर्तियों को षष्ठी मंदिर में सुरक्षित रखवाया गया था, भारत माता की मूर्ति के साथ लगाई गई अन्य मूर्तियों की जांच प्रतिवेदन व निष्कर्ष अनुसार व टेस्ट रिपोर्ट एवं पंचनामा अनुसार मूर्तियां गुणवत्तापूर्ण थी, निर्माण एजेंसी एवम ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराया गया था। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा पारदर्शिता पूर्ण जांच कराए जाने पर कलेक्टर महोदय के प्रति आभार व्यक्त किया गया, व विगत कुछ दिनों पूर्व भी शरारती तत्वों द्वारा गार्डन चौक में लगाए गए नया शिलालेख को क्षतिग्रस्त करने की जानकारी भी प्राप्त हुई थी, यह नगर के सौंदर्यीकरण का कार्य सभी की निगरानी व जिम्मेदारी से होता है, कोई भी व्यक्ति उक्त संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है तो आम नागरिक भी उसे रोकने में सहयोग करें, तभी नगर सुंदर व स्वच्छ रह सकेगा, साथ ही निरन्तर विकास के कार्य कराए जाएंगे।

संयुक्त जांच टीम की कार्रवाई, 14 प्रतिष्ठानो की जांच, सुरक्षित रखरखाव के निर्देश

बलौदाबाजार। 27 अप्रैल से 11 मई तक जिले में नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य एवं औषधि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 15 दिवसीय सघन जांच अभियान सही दवा शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम अन्तर्गत चलाया जा रहा है। जांच रिम द्वारा 2 दिन में 14 प्रतिष्ठानो का निरीक्षण किया और दवाइयों का सुरक्षित रख-रखाव के निर्देश दिये। प्रथम चरण के प्रथम दिवस में औषधि एवं प्रसाधन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से जिला बलौदाबाजार में स्थित 8 कॉस्मेटिक एजेंसी एवं फर्म का निरीक्षण किया गया। जाँच के दौरान उपलब्ध कॉस्मेटिक उत्पादों की लेबलिंग एवं क्रय-विक्रय बिल की जांच कि गई। गुणवत्ता जाँच हेतु 2 कॉस्मेटिक उत्पादों का नमूना संकलन कर राज्य औषधि प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया। जाँच के दौरान कॉस्मेटिक उत्पाद केवल अधिकृत, लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही क्रय-विक्रय कर, बिलों का विधिवत संधारण, उत्पादों के उचित भंडारण एवं सुरक्षित रख-रखाव हेतु फर्म को निर्देशित किया गया। द्वितीय दिवस कुल 7 थोक औषधि विक्रय परिसरों की जांच की गई। फर्म में संधारित विभिन्न प्रकार की औषधि एवं प्रसाधन सामग्री के भंडारण, रख-रखाव एवं क्रय-विक्रय सम्बन्धी दस्तावेजों की जांच की गई एवं दवाओं को उचित तापमान पर भंडारण करने के निर्देश दिये गए।

कलेक्टर को निगम ठेकेदारों ने भुगतान नहीं दिये जाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

धमतरी। नगर निगम में मरम्मत संधारण मद के देयकों का भुगतान 18 माह से नहीं हुआ है। लंबित राशि 130.00 लाख रू., महापौर निधि मद के देयकों का भुगतान 70 लाख रूपये दो वर्ष से लंबित है तथा भुगतान के लिये कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है। राज्य प्रवर्तित 14वें एवं 15वें वित्त सर्वशिक्षा मद एवं स्कूल जतन मद के देयकों का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। विगत 20 वर्षों से हमारी सुरक्षा निधि एसडी राशि भुगतान ठेकेदारों को नहीं किया गया है एवं उसे भुगतान के लिये बहानेबाजी एवं नियम का हवाला देकर टाला जा रहा है, यह बात कलेक्टर जनदर्शन में ठेकेदार एसोसियेशन नगर पालिक निगम द्वारा प्रस्तुत कर इसके निराकरण की मांग की गई है। ठेकेदार एसोसियेशन ने अपने 7 सूत्रीय मांग पत्र में यह भी कहा है कि ठेकेदारों के देयक से काटी गई एसडी राशि का भुगतान अन्य मदों में खर्च/व्यय किया गया है। किसी भी निविदा को बिना कारण के निरस्त कर दिया जाता है और एक से अधिक निविदा बुलाई जाती है जिससे ठेकेदारों को एक कार्य के लिये अनेक बार निविदा शुल्क पर अनावश्यक खर्च करना पड़ता है। निगम के उपअभियंता पिछले 10 वर्षों से पदस्थ है, जो हमें परेशान करते रहते है एवं समय पर देयक प्रस्तुत नहीं किया जाता। लेखाधिकारी जो स्थानीय व्यक्ति है, अपने अधिकारों का दुरूपयोग कर जनप्रतिनिधियों एवं उच्च अधिकारियों को गलत नियमों को सही समझाते हुए अतिरिक्त मांग करते है। उपरोक्त बिंदुवार समस्याओं के निराकरण करते हुए हम समस्याग्रस्त ठेकेदारों को भुगतान कराये जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में भूनेश चक्रधारी सहित मो. अशफाक सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर बने हुए है।

युवा फेस्ट 2026 का सकारात्मक असर, छात्र का चयन आईटी कंपनी में

धमतरी। धमतरी में आयोजित युवा फेस्ट 2026 के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे है। यह आयोजन युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला साबित हो रहा है। इसी क्रम में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्कशॉप से एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी सामने आई है। अभनपुर निवासी कक्षा 12वीं के छात्र प्रतीक ताम्रकार का चयन बेंगलुरु स्थित TEKNIKOZ Software Private Limited में समर इंटर्नशिप हेतु किया गया है। यह अवसर उन्हें युवा फेस्ट के दौरान आयोजित एआई वर्कशॉप में सक्रिय सहभागिता, तकनीकी समझ और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्राप्त हुआ है। वे आगामी दो माह अप्रैल से जून 2026 तक कंपनी के साथ कार्य करते हुए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के दौरान बेंगलुरु से आई विशेषज्ञ टीम द्वारा युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल स्किल्स, स्टार्टअप इकोसिस्टम एवं आधुनिक तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी दी गई। वर्कशॉप में प्रतिभागियों को हैंड्स.ऑन ट्रेनिंग, प्रोजेक्ट आधारित सीखने और करियर मार्गदर्शन का भी अवसर मिला। प्रतीक ने अपनी जिज्ञासा, नवाचार की सोच और सीखने की प्रतिबद्धता से प्रशिक्षकों को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें यह महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने प्रतीक ताम्रकार को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि युवा फेस्ट का उद्देश्य केवल आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं की प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें सही दिशा और मंच उपलब्ध कराना है।

प्रतीक की सफलता इस बात का प्रमाण है कि उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण एवं छोटे शहरों के युवा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते है। कलेक्टर ने जिले के अन्य युवाओं से भी इस प्रकार के नवाचार एवं कौशल आधारित कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की, ताकि वे आधुनिक तकनीकों से जुड़कर अपने करियर को नई दिशा दे सकें। समग्र रूप से युवा फेस्ट.2026 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ। इसने शिक्षा, संस्कृति, खेल और तकनीक के समन्वय के माध्यम से युवाओं को आत्मविश्वास, नवाचार और नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सीमित समय और चुनौतियों के बावजूद उत्कृष्ट टीम वर्क, समर्पण और योजनाबद्ध प्रयासों के चलते यह आयोजन पूरी तरह सफल रहा। यह फेस्ट इस बात का सशक्त उदाहरण है कि यदि युवाओं को उचित मंच, मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो वे अपनी प्रतिभा से समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। युवा फेस्ट-2026 ने न केवल प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि सीख, प्रेरणा और आत्मविकास का ऐसा वातावरण भी निर्मित किया, जिसकी स्मृतियाँ लंबे समय तक युवाओं के मन में जीवित रहेंगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रेरित करती रहेंगी। प्रतीक ताम्रकार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने चाचाजी पवन कुमार ताम्रकार, प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय कुरूद को दिया, जिनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से उन्होंने युवा फेस्ट में भाग लिया और इस अवसर तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि युवा फेस्ट जैसे मंच युवाओं के लिए सीखने, आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम हैं। उल्लेखनीय है कि युवा फेस्ट 2026 के अंतर्गत जिले में विभिन्न क्षेत्रों तकनीक, खेल, कला, नवाचार एवं उद्यमिता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनका उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को निखारना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है। जिले में इस प्रकार के आयोजन न केवल कौशल विकास को बढ़ावा दे रहे है, बल्कि स्थानीय युवाओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक अवसरों से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

माहेश्वरी समाज धमतरी के राजेंद्र माहेश्वरी बने पुन :अध्यक्ष डॉ श्रीकांत जाजू सचिव, राधेश्याम राठी कोषाध्यक्ष नियुक्त

धमतरी। माहेश्वरी समाज धमतरी के पदाधिकारी का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ जिसमें राजेंद्र माहेश्वरी को पुनः अध्यक्ष बनाया गया है जबकि डॉक्टर श्रीकांत जाजू को सचिव, राधेश्याम राठी को तीसरी बार कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समाज के लक्ष्मीचंद बाहेती, जेठमल झंवर, सत्यनारायण राठी, देवेंद्र कुमार राठी, लक्ष्मी नारायण राठी, नारायण बंग, दीपक लखोटिया, मदनलाल झंवर, विजय भूतड़ा, दिनेश राठी, ओमप्रकाश टावरी, दिनेश भट्टर, सुरेश राठी, गोविंद गांधी, हरिश चांडक, नरेश बंग, मांगीलाल राठी, नंदकिशोर राठी, रमेश टावरी, अशोक भत्ताद, रामचंद्र राठी, राजेश झंवर, रामकिशन चांडक, रमेश भूतड़ा, सुरेश जाजू, ललित चांडक, सोहन राठी, राधे राठी, अनिल जाजू, राकेश झंवर, गोविंद राठी, सुबोध राठी, संदीप लाहोटी, नंदू राठी, अमित सोनी, प्रवीण राठी, गोपी राठी, अमित राठी, राहुल लखोटिया, आयुष महेश्वरी, मनोज राठी, ललित राठी, नवीन चांडक, नरेश चांडक, केसरी मराठी, गोविंद सोमानी, उमेश चौधरी, भंवर लाल राठी, नेमीचंद राठी, ने बधाई दी है।

अब तक जिले के 450 तालाब में भरा पानी 128 प्रगतिरत, निस्तारी की समस्या से राहत

बलौदाबाजार। ग्रीष्म ऋतु में तालाबों में पानी की कमी के कारण ग्रामीणों को निस्तारी की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा महानदी जलाशय परियोजना के नहर के माध्यम से तालाबों को भरा जा रहा है। अब तक जिले के 450 तालाब में पानी भर चुका हैं तथा 128 तालाब में पानी भरा जा रहा है। जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार महानदी जलाशय परियोजना के नहर के माध्यम से जिले के कुल 384 गांव के 683 तालाबों को भरने का लक्ष्य है। इनमे से 450 तालाबों में अब तक पानी भरा गया है तथा 128 प्रगतिरत है। शेष तालाबों में भी जल्द पानी भर दिया जाएगा इन तालाबों के भरने से ग्रामीणों को ग्रीष्म ऋतु में निस्तारी के संकट से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही तालाबों के भरने से आस -पास के क्षेत्रों में वाटर रिचार्ज भी होगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने पिछले सप्ताह बलौदाबाजार विकासखंड के विभिन्न ग्रामो के दौरा के दौरान कई तालाबों और नहर का निरीक्षण किया था। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को नहर का पानी व्यर्थ बहने में रोक लगाने तथा कड़ी मॉनिटरिंग के निर्देश दिये है।

बिना पंजीयन वाले दुकानों को पंजीयन कराने के निर्देश, संयुक्त टीम ने सुहेला में चलाया जांच अभियान

बलौदाबाजार। जिले में सही दवा शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत संयुक्त टीम ने लगभग 15 दुकानों का गहन जांच किया खाद्य पदार्थो सैंपल लेकर राज्य प्रयोशाला रायपुर भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुहेला तहसील में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा सभी गन्न रस, जूस सेंटर, गुपचुप ठेला एवं स्ट्रीट फूड वेंडर्स के 15 दुकानों का गहन निरीक्षण किया गया एवं साफ सफाई के निर्देश दिये गये। बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालकों को अतिशीघ्र खाद्य पंजीयन बनवाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही श्रीराम फल भंडार एवं जूस कार्नर, दिक्षा बेकरी एवं स्वीट्स, सोनू मोनू पान सेंटर आदि फर्मो से मैंगो जूस, गन्ना रस बर्फ गोला, लाहोरी जीरा, कीम बेल, केसर बादाम मिल्क शेक, आईस वाला कच्चा आम, वाटर बेस फ्लेवर्ड ड्रिंक एवं आइस वाला लीची वाटर बेस फ्लेवर्ड ड्रिंक पैक्ड का नमूना संकलन कर विश्लेषण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला प्रेषित् किया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने उपरान्त आगे की कार्यवाही की जावेगी। सभी को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत् आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है।

न नियम, न कानून, मनमर्जी से कर दिया डायवर्सन का आदेश

धमतरी। राजस्व न्यायालय में चलने वाले अनेक ऐसे प्रकरण है जो बिना किसी विवाद के लंबित रखे गये हैं। राजस्व अधिकारी चाहें तो इन्हें आसानी से आदेश कर सकते हैं। लेकिन यहां पदस्थ कुछ अधिकारियों द्वारा ऐसे प्रकरणों जिसमें कुछ लाभ रहता है, उस आदेश को द्रुतगति से निपटाया गया है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण भखारा, मगरलोड के साथ साथ अब नगरी, सिहावा से दिया जा सकता है जहां मात्र 24 दिन के प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने 48 डायवर्सन प्रकरणों में आदेश कर लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि इन प्रकरणों में क्या सारी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद यह आदेश किया गया है अथवा नगर पंचायत, ग्राम नगर निवेश विभाग से बिना अनुमति प्राप्त किये ऐसे आदेश किये गये हैं? इन प्रकरणों में जो आदेश किये गये हैं वो एक ही भूमि के अलग अलग भाग दर्शाते हुए यह डायवर्सन कर दिया गया जबकि यहां स्थित एक भूमि का अलग-अलग नाम से डायवर्सन किया जाना ग्राम नगर निवेश के नियमों से बचने की साजिश बताया गया है। एक ओर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा द्वारा पिछले दिनों एक बैठक रखकर जिले के तमाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, पटवारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर राजस्व प्रकरणों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करें। लेकिन धरातल पर स्थिति एकदम अलग है। आम आदमी छोटे-छोटे कार्यों के लिये दफ्तरों का चक्कर लगाने मजबूर है। इसके विपरीत साधन संपन्न जिन्हें क्षेत्र के लोग भूमाफिया के नाम से पहचानते हैं, उनके नियम विरूद्ध कार्य अधिकारी द्वारा कर दिया जाता है जिससे कहीं न कहीं प्रदेश सरकार के मुखिया विष्णुदेव के सुशासन और जीरो टॉलरेंस की नीति पर उंगलियां उठ रही है। कुल मिलाकर नगरी क्षेत्र में नियम, कानून को छोड़कर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा डायवर्सन आदेश जारी कर दिया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के प्रयास की जितनी तारीफ की जाये कम है परंतु उनके कह देने से राजस्व अधिकारियों के कार्यशैली में बदलाव आयेगा? जबकि जिले में शासकीय भूमियों को निजी व्यक्तियों के नाम पर चढ़ाये जाने,

चारागाह की भूमि को भी अन्य व्यक्तियों के नाम चढ़ाये जाने को लेकर समूचे जिले में यह खबर जंगल के आग की तरह फैली हुई है। लोग आस लगाये बैठे है कि कब इन भूमियों की जांच होगी और दोषियों पर कार्यवाही होगी? यह चर्चा अभी समूचे जिले में गूंजित है, बावजूद इसके नगरी, सिहावा क्षेत्र में 24 दिन के लिये प्रभार में रहे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने 48 डायवर्सन प्रकरणों में आदेश कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। इसका मुख्य कारण यह है कि जिन भूमियों का डायवर्सन किया गया है उसमें नगर पंचायत और नगर निवेश की अनुमति(एनओसी) प्राप्त नहीं की गई है। दिखावे के लिये बिजली विभाग, ग्राम पंचायत के सरपंच मात्र, लोक निर्माण विभाग से अनुमति पत्र प्राप्त कर आदेश कर दिया गया है। इन पत्रों के संबंध में यह भी चर्चा है कि ग्राम पंचायत से किसी भी प्रकार का एनओसी का मामला आने पर इसके निराकरण के लिये पंचायत स्तर पर बैठक होती है। सभी की सहमति से ऐसे आदेश किये जाते है। लेकिन उक्त प्रकरण में सिर्फ सरपंच का ही हस्ताक्षरयुक्त प्रतिवेदन है जिसमें ग्राम सचिव का भी हस्ताक्षर नहीं है। जिस तरह डायवर्सन प्रकरणों में नगर पंचायत एवं ग्राम नगर निवेश की अनुमति प्राप्त किया जाना था, उन विभागों की अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं होने के बाद भी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने यह डायवर्सन आदेश पारित किये है। जबकि वर्ष 2016 में नगरी क्षेत्र के अनेक गांवों को निवेश क्षेत्र में शामिल कर दिया गया है। इसकी जानकारी प्रभारी अधिकारी को होने के बाद भी व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते जान बूझकर उपरोक्त विभाग से एनओसी नहीं ली गई है। क्षेत्र में हो रही चर्चा के अनुसार नियम विरूद्ध कार्य करने के एवज में जमकर भेंट पूजा लिया जाना बताया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय नगरी में प्रभारी रहे उक्त अधिकारी ने एक खसरा नंबर की भूमि को टुकड़ों में बांटकर ग्राम नगर निवेश के अधिकार क्षेत्र को नजरअंदाज कर दिया है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उपरोक्त डायवर्सन के कई प्रकरणों में एक ही तारीख को एक ही खसरा नंबर की जमीन को कई भागों में बांटकर सारे आदेश किये गये है और आदेश पश्चात तहसीलदार ने संबंधित पटवारी हल्का को भी रिकॉर्ड सुधार करने का निर्देश दिया है जिसके तहत डायवर्सन कराये व्यक्तियों ने अपना निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि कहीं पर पहाड़ है तो कहीं तालाब, कहीं शासकीय भूमि। इसकी जांच किये बिना ही सारे डायवर्सन प्रकरणों में आदेश किया गया है जो कि जांच का विषय है। इस आदेश से सिहावा, नगरी क्षेत्र के लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है और वे कलेक्टर मिश्रा से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्यवाही के साथ साथ ऐसे आदेश को शून्य घोषित किये जाने की मांग कर रहे हैं।

नगरी का यह डायवर्सन प्रकरण एक बार फिर समूचे जिले में ऐसे अधिकारी जिन्होंने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए कार्य किया है, उन पर कार्यवाही किये जाने की मांग बलवती हो रही है।

सुशासन तिहार, जनगणना को लेकर सख्ती, बिना अनुमति अवकाश पर रोक

धमतरी। राज्य शासन द्वारा संचालित सुशासन तिहार एवं आगामी जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार आगामी तीन माह की अवधि तक कोई भी शासकीय सेवक बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति के अवकाश पर प्रस्थान नहीं करेगा। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अवकाश स्वीकृत किए जाने से पूर्व संबंधित अधिकारी की अनुमति अनिवार्य होगी। बिना पूर्व स्वीकृति के कार्यालय से अनुपस्थित रहना स्वैच्छिक अनुपस्थिति माना जाएगा, जिसे सेवा नियमों के अंतर्गत ब्रेक इन सर्विस सेवा में व्यवधान के रूप में भी दर्ज किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आकस्मिक अवकाश की स्थिति में भी शासकीय सेवकों को यथासंभव दूरभाष अथवा डिजिटल माध्यम से पूर्व सूचना देना अनिवार्य किया गया है। साथ ही कार्यालय में पुनः उपस्थित होने पर तत्काल इसकी पुष्टि करना भी आवश्यक होगा।

संक्षिप्त समाचार

युवक पर चाकू से हमला, दो आरोपियों की हुई पहचान

रायपुर। शहर के रामनगर क्षेत्र में एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। खुर्सीपार निवासी लखविंदर सिंह अपने एक मित्र को छोड़ने रामनगर गया हुआ था, तभी वहां 5 से 6 युवकों ने उस पर अचानक हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने लखविंदर पर चाकू से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। लखविंदर सिंह ने हमलावरों में से दो युवकों करण और साहिल की पहचान की है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं आम नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंचशील नगर में किशोर की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। पचपेड़ी नाका से सटे न्यू पंचशील नगर इलाके में एक किशोर की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थानीय रहवासियों ने आधी रात सिविल लाइन थाने का घेराव भी किया। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

जेवरात चुराने के बाद गला देता था, पुलिस ने गिरफ्तार किया शातिर चोर को

रायपुर। शहर से 1100 किलोमीटर दूर मेरठ से दो चोर बाइक से निकले और यहां पहुंचे। यहां एक अपार्टमेंट के दो फ्लैट में चोरी की और दूसरे अपार्टमेंट के फ्लैट से बिना चोरी किए भागना पड़ा। वापस दिल्ली-मेरठ पहुंचने के बाद चोरी किए सोने के गहनों को घर में ही गलाकर ढाल लिया। पूरी वारदात के दौरान फोन बंद रखा। सभी पैंतरे आजमाने के बाद फोन पे ट्रांजेक्शन की जांच में एक आरोपित पकड़ा गया। दूसरा दिल्ली की जेल में बंद है। पूछताछ में पता चला कि इनके खिलाफ देशभर में चोरी और लूट के 47 मामले दर्ज हैं। एएसपी पंकज कुमार पटेल ने अपार्टमेंट चोरी का पर्दाफाश करते हुए बताया कि एसीसीयू और सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम ने अपार्टमेंट से मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों के भागने की दिशा को ट्रेस करते हुए दिल्ली पहुंची। टीम ने दिल्ली से मिले साक्ष्य के आधार पर मेरठ में कई दिन गुजारे और फिर बैंकिंग ट्रांजेक्शन के आधार पर आरोपित ताज मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ताज मोहम्मद इतना शातिर था कि उसने पुलिस से बचने के लिए चोरी के जेवरों को चिमनी में गलाकर उनका स्वरूप ही बदल दिया करता था। पुलिस ने उसके पास से करीब पांच लाख रुपये का सोना और जेवर गलाने वाली चिमनी बरामद की है। 47 से अधिक वारदात को अंजाम दे चुके शातिर ताज मोहम्मद को पकड़ने के लिए पुलिस ने 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। शातिर चोर ताज मोहम्मद अपने साथी वसीम मोहम्मद के साथ बाइक पर बैठकर बिलासपुर पहुंचा था।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने चिप्स के ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के उन्नत संस्करण सेवा सेतु का किया शुभारंभ

सेवा सेतु से सुशासन और पारदर्शिता को मिलेगी नई मजबूती-साय

- आधुनिक तकनीक और एआई से सशक्त हुआ सुशासन: 'सेवा सेतु' से 441 सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर
- अब सेवाएं नागरिकों के हाथ में: 'सेवा सेतु' से घर बैठे मिलेगी 441 सरकारी सुविधाएं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) से छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) द्वारा आमजन तक प्रभावशाली, पारदर्शी और डिजिटल नागरिक सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत संचालित ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना के उन्नत संस्करण 'सेवा सेतु' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्रीद्वय श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा सहित मंत्रिमंडल के सभी मंत्रीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से डिजिटल नागरिक सेवाएं और अधिक सशक्त और प्रभावी होंगी। वर्ष 2003 में प्रारंभ हुए चॉइसमॉडल से लेकर वर्ष 2015 के ई-डिस्ट्रिक्ट और अब 'सेवा सेतु' तक छत्तीसगढ़ ने डिजिटल प्रशासन के क्षेत्र में एक लंबी और उल्लेखनीय यात्रा तय की है तथा यह प्लेटफॉर्म अब नागरिक सशक्तिकरण का एक मजबूत माध्यम बन चुका है, जिससे लाखों नागरिकों को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'सेवा सेतु'

के माध्यम से अब एक ही पोर्टल पर 441 शासकीय सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें 54 नई सेवाएं और 329 री-डायरेक्ट सेवाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब व्हाट्सएप के माध्यम से भी सेवाओं की जानकारी सहज रूप से प्राप्त की जा सकेगी। आय, जाति, निवास, राशन कार्ड और विवाह पंजीयन जैसे प्रमुख प्रमाण-पत्रों सहित अब तक 3.2 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन किए जा चुके हैं और इतने ही प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं, जबकि 30 से अधिक विभागों के एकीकरण के साथ यह प्लेटफॉर्म एक सशक्त वन स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में विकसित हो चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'सेवा सेतु' राज्य में सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन को नई मजबूती प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना का संचालन राज्य स्तर पर चिप्स द्वारा किया जा रहा है, जबकि जिला स्तर पर जिला कलेक्टर के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट ई-गवर्नेंस सोसाइटी के माध्यम से इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। नई प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधार, व्हाट्सएप और 'भाषिणी' जैसी उन्नत तकनीकों का एकीकृत उपयोग किया गया है, जिससे नागरिक व्हाट्सएप के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे, सेवा की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और डिजिटल प्रमाण-पत्र भी प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही आधार आधारित ई-केवाईसी, डिजी लॉकर, ई-प्रमाण और उमंग जैसे प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण कर सेवाओं को और अधिक सरल, सुरक्षित और सुलभ बनाया गया है। सेवा सेतु' में ट्रेजरी और ई-चालान का एकीकरण किया गया है, जिससे नागरिक एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन भुगतान कर तत्काल डिजिटल रसीद प्राप्त कर सकेंगे तथा डीबीटी के माध्यम से योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी, जिसकी रीयल-टाइम ट्रैकिंग एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से संभव होगी। पोर्टल में क्यूआर कोड आधारित प्रमाण-पत्र सत्यापन, क्लाउड स्टोरेज, डिजिटल सिग्नेचर, रीयल-टाइम डैशबोर्ड और एमआईएस रिपोर्टिंग जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं तथा यह पोर्टल 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

व्हाट्सएप पर जान से मारने की धमकी दी

रायपुर। अभनपुर क्षेत्र स्थित मां मातंगी दिव्य धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेमासाई जी महाराज को व्हाट्सएप के माध्यम से जान से मारने की गंभीर धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में उन्होंने थाना अभनपुर में लिखित आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और स्वयं व अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉ. प्रेमासाई महाराज धर्म, समाज, लव जिहाद, धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर लगातार मंचों के माध्यम से प्रवचन देते रहे हैं। उनके द्वारा समय-समय पर हिंदू एकता शोभायात्रा, हिंदू जगाओ शोभायात्रा एवं दिव्य दरबार जैसे बड़े आयोजनों का भी आयोजन किया जाता है, जिनमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।आवेदन में उल्लेख किया गया है कि दिनांक 10 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12:40 बजे, जब वे अपने परिवार के साथ केरल में निजी यात्रा पर थे, उसी दौरान उनके व्हाट्सएप नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगातार अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपी ने न केवल उन्हें बल्कि उनके पूरे परिवार को खत्म करने की भी धमकी दी।बताया जा रहा है कि संबंधित मोबाइल नंबर की जांच करने पर वह जम्मू-कश्मीर क्षेत्र का प्रतीत हो रहा है और ट्रूकॉलर पर हिलाल बानी नाम प्रदर्शित हो रहा है। पीड़ित ने यह भी बताया कि पूर्व में भी उन्हें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से धमकियां मिलती रही हैं, जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है।

सरगुजा में दो बालिकाओं से सामूहिक दुराचार,प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अंबिकापुर के सीतापुर में दो नाबालिक बच्चियों के साथ गैंगरेप की घटना हुई है। घटना 24 अप्रैल के रात की है, 4 बच्चियां शादी से आ रही थी 9 बदमाश उनको रास्ते में रोक कर गैंगरेप किया। यह बच्चियां विशेष पिछड़ी जनजाति की है। प्रदेश में महिलाओं, मासूम बच्चियों के साथ दरिंदगी की घटनायें रुक नहीं रही है। जशपुर, रायगढ़, कवर्धा, बालोद सभी जगहों पर आदिवासी बच्चियों के साथ दुराचार की घटनायें हुई है। यह घटनायें विचलित करने वाली और शर्मनाक है। प्रदेश में महिलायें सुरक्षित नहीं है, सरकार महिलाओं, बच्चियों को

सुरक्षित वातावरण दे पाने में असफल साबित हो रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा के प्रशासन में छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन औसतन 8 से 9 महिलाएं दुराचार के शिकार हो रही है, हर दूसरे दिन सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आ रही है, सरकारी आश्रम स्कूलों में नाबालिक बच्चियों गर्भवती हो रही है, जब पीड़िता थाने जाते हैं तो एफआईआर करके आरोपियों को गिरफ्तार करने के बजाय पीड़ितों को ही प्रताड़ित किया जाता है, उन्हें डराया धमकाया जाता है। साय सरकार में प्रदेश की महिलाएं असुरक्षित हो गई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सरकार में कानून का भय अपराधियों में खत्म हो गया है, सामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने के बजाय संरक्षण मिलने से उनके हौसले बुलंद है। नशे के अवैध कारोबार को सत्ता में बैठे भाजपा नेताओं का संरक्षण है जिसकी वजह से ही महिलाओं के खिलाफहोने वाले अपराध में बेतहाशा वृद्धि हो रही है, कोकीन, एमडी ड्रग्स, नशा, सिरप और नशे की गोलियां गली-गली में बिक रहा है जिसके प्रभाव से छोटे-छोटे नाबालिक बच्चें भी अपराध की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

राज्यपाल रमेन डेका ने महाविद्यालय की छात्राओं से हुए रूबरू

- सफलता के लिए दिया मार्गदर्शन
- क्षेत्रीय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने भी छात्राओं के प्रश्नों का समाधान कर मार्गदर्शन दिया

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका आज यहां लोकभवन में संत गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय देवेंद्र नगर रायपुर की छात्राओं से रूबरू हुए। उन्होंने शैक्षणिक विषयों पर चर्चा कर मार्गदर्शन दिया और उनके प्रश्नों का उचित समाधान किया। लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में आयोजित कार्यक्रम में श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों के लिए अनुशासन सबसे जरूरी है। उसके बिना सफलता नहीं मिलती है। जीवन को पूर्ण करने के लिए योजना पूर्वक कार्य करना चाहिए। अच्छी योजना से जीवन भी अच्छा होगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम भी करना होगा। मानवीय गुणों का होना भी आवश्यक है और शिक्षा से ही इन गुणों का विकास होता है। श्री डेका ने कहा कि अपनी खुशी अपने अंदर होती है। दूसरों से तुलना कर दुखी ना रहे बल्कि जो अपने पास उपलब्ध है उससे संतुष्ट रहिए। श्री डेका ने कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं का सर्वोच्च स्थान है। उन्होंने नारी की तुलना पानी से करते हुए कहा कि पानी के बिना जीवन असंभव है, उसी तरह नारी के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। चर्चा के दौरान छात्राओं ने राज्यपाल से तनाव को सकारात्मक ऊर्जा में कैसे बदलें, सोशल मीडिया से दूरी बनाने के लिए क्या प्रयास करना चाहिए, कौशल एवं प्रशिक्षण का महत्व, देश व प्रदेश के विकास में किस तरह योगदान दे सकते हैं। विद्यार्थियों ने नारी सशक्तिकरण, उनके स्कूल एवं कॉलेज के जीवन की कोई प्रेरक घटना और छत्तीसगढ़ में उनको सर्वाधिक क्या पसंद आया जैसे रोचक प्रश्न पूछे गए। क्षेत्रीय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने भी छात्राओं के प्रश्नों का समाधान कर मार्गदर्शन दिया। राज्यपाल श्री डेका ने छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. उषा अग्रवाल, महाविद्यालय परिवार के सदस्य, शदाणी दरबार के संत युधिष्ठिर लाल जी महराज, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ी भाषा का किया अपमान कार्यवाही करें.....

रायपुर। संवाददाता

मुंगेली कलेक्टर कुंदन कुमार पर छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखे आवेदन को फेंकने की घटना को छत्तीसगढ़ का अपमान करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार के ढाई साल में छत्तीसगढ महतारी का निरन्तर अपमान हो रहा है, यहां की बोली, भाखा, परंपरा, संस्कृति को दबाने कुचलने की साजिश की जा रही है। मुंगेली कलेक्टर कुंदन कुमार ने छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखे आवेदन को फेंक कर तीन करोड़ छत्तीसगढ़ियों को अपमानित किया है। ये निंदनीय है सरकार को तत्काल मुंगेली कलेक्टर पर कार्यवाही करना चाहिए। भाजपा

सरकार में दीगर राज्यों की तीज, त्यौहार, परम्परा का प्रदेश में जोर-शोर से आयोजन होता है लेकिन जब छत्तीसगढ़ की अस्मिता की बात आती है तो भाजपा का रवैया ढुलमुल रहा है। प्रदेश में अन्य राज्यों के भाषा बोलने वाले है उनका पूरा सम्मान यहां होता है, लेकिन छत्तीसगढ़ी भाषा का अपमान सरकार के संरक्षण में उच्च अधिकारी कर रहे है, सरकारी विभागों में भी छत्तीसगढ़ी बोली बोलने वालों को कमतर आंका जाता है। ये बर्दाश्त नहीं की जायेगी। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद यहाँ की संस्कृति खतरे में है। आरएसएस की नीति भी स्थानीय संस्कृति को खत्म करने की है। भाजपा सरकार उसे आगे बढ़ा रही है। पहले सरकारी कार्यक्रमों में राजगीत गाया जाता था। मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ के तीज, त्यौहार, परम्परा का आयोजन होता था। सरकारी स्तर पर इस आयोजन होते थे, जो ढाई साल से बंद है। आखिर भाजपा सरकार को छत्तीसगढ़ी परंपरा से दूरी क्यों बना रही है।

सही दवा, शुद्ध आहार अभियान की शुरुआत

रायपुर। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सही दवा, शुद्ध आहार- यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम पर 15 दिवसीय विशेष सघन जांच अभियान आज 27 अप्रैल से शुरू हो गया है। यह अभियान 11 मई तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य मिलावटखोरी और नकली दवाओं के अवैध कारोबार पर रोक लगाना तथा आम नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री और दवाएं उपलब्ध कराना है। साथ ही लोगों को स्वच्छ, पौष्टिक आहार और सुरक्षित दवा उपयोग के प्रति जागरूक करना भी इस अभियान का अहम हिस्सा है। कलेक्टर के निर्देश पर आज सुबह 7 बजे रायगढ़ शहर में संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न डेयरियों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान एडीएम अपूर्व प्रियेश टोप्पो, तहसीलदार शिव कुमार डनसेना और खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम मौजूद रही। निरीक्षण के दौरान जगदीश डेयरी, संतोष डेयरी और विकास डेयरी एंड स्वीट्स से दूध, दही, पनीर और खोवा के सैंपल लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जिला प्रशासन ने निर्देश देते हुए बताया कि सैंपलों की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान के तहत आगे भी नियमित निरीक्षण जारी रहेंगे, ताकि आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिल सके।

युवा फेस्ट 2026 का सकारात्मक असर

स्थानीय मंच से राष्ट्रीय पहचान-छात्र का चयन आईटी कंपनी में

- एआई वर्कशॉप का परिणाम: 12वीं के छात्र को बेंगलुरु में इंटर्नशिप

रायपुर/ संवाददाता

धमतरी में 24-25 अप्रैल को आयोजित युवा फेस्ट 2026 के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। यह आयोजन युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला साबित हो रहा है। इसी क्रम में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्कशॉप से एक प्रेरणादायक सफलता कहानी सामने आई है। अभनपुर निवासी कक्षा 12वीं के छात्र प्रतीक ताम्रकार का चयन बेंगलुरु स्थित TEKNIKOZ Software Private Limited में समर इंटर्नशिप हेतु किया गया है। यह अवसर उन्हें युवा फेस्ट के दौरान आयोजित हुु वर्कशॉप में सक्रिय सहभागिता, तकनीकी समझ और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्राप्त हुआ है। वे आगामी दो माह (अप्रैल से जून 2026) तक कंपनी के साथ कार्य करते हुए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के दौरान बेंगलुरु से आई विशेषज्ञ टीम द्वारा युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल स्किल्स, स्टार्टअप इकोसिस्टम एवं आधुनिक तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी दी गई। वर्कशॉप में प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग, प्रोजेक्ट आधारित सीखने और करियर मार्गदर्शन का भी अवसर मिला। प्रतीक ने अपनी जिज्ञासा, नवाचार की सोच और सीखने की प्रतिबद्धता से प्रशिक्षकों को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें यह महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने प्रतीक ताम्रकार को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि युवा फेस्ट का उद्देश्य केवल आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं की प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें सही दिशा और मंच उपलब्ध कराना है। प्रतीक की सफलता इस बात का प्रमाण है कि उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण एवं छोटे शहरों के युवा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। कलेक्टर ने जिले के अन्य युवाओं से भी इस

प्रकार के नवाचार एवं कौशल आधारित कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की, ताकि वे आधुनिक तकनीकों से जुड़कर अपने करियर को नई दिशा दे सकें। समग्र रूप से युवा फेस्ट-2026 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ। इसने शिक्षा, संस्कृति, खेल और तकनीक के समन्वय के माध्यम से युवाओं को आत्मविश्वास, नवाचार और नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सीमित समय और चुनौतियों के बावजूद उत्कृष्ट टीम वर्क, समर्पण और योजनाबद्ध प्रयासों के चलते यह आयोजन पूरी तरह सफल रहा। यह फेस्ट इस बात का सशक्त उदाहरण है कि यदि युवाओं को उचित मंच, मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो वे अपनी प्रतिभा से समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। युवा फेस्ट-2026 ने न केवल प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि सीख, प्रेरणा और आत्मविकास का ऐसा वातावरण भी निर्मित किया, जिसकी स्मृतियाँ लंबे समय तक युवाओं के मन में जीवित रहेंगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रेरित करती रहेंगी। प्रतीक ताम्रकार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने चाचाजी पवन कुमार ताम्रकार, प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय कुरूद को दिया, जिनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से उन्होंने युवा फेस्ट में भाग लिया और इस अवसर तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि युवा फेस्ट जैसे मंच युवाओं के लिए सीखने, आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम हैं। उल्लेखनीय है कि युवा फेस्ट 2026 के अंतर्गत जिले में विभिन्न क्षेत्रों—तकनीक, खेल, कला, नवाचार एवं उद्यमिता—से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को निखारना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है। जिले में इस प्रकार के आयोजन न केवल कौशल विकास को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि स्थानीय युवाओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक अवसरों से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

संपादकीय

युद्धविराम बढ़ा, तनाव कायम!

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है।अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। इससे उन आशंकाओं पर फिलहाल विराम लग गया है कि पश्चिम एशिया में फिर से बारूद बरसने लगेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से की गई इस घोषणा को अस्थायी रूप से भले ही एक अच्छी पहल माना जा रहा है, लेकिन जब तक दोनों पक्षों के बीच विवाद का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक युद्ध की चिंगारी अंदर ही अंदर सुलगती रहेगी।यही नहीं, युद्धविराम की अवधि बढ़ाने का फैसला तभी सार्थक साबित होगा, जब होर्मुज जलमार्ग को दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा, क्योंकि इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट पैदा हो गया है। इसका प्रभाव उन देशों पर भी पड़ रहा है, जिनका युद्ध से सीधे तौर पर कोई संबंध नहीं है। होर्मुज जलमार्ग को लेकर ईरान के अड़ियल रवैये के बाद अमेरिका की नाकेबंदी से हालात और जटिल हो गए हैं। ऐसे में जरूरी है कि अब दोनों पक्ष उस शांति वार्ता को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता दें, जो पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बेनतीजा रही थी।गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्धविराम की अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी, जबकि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। अमेरिका चाहता था कि वार्ता आगे बढ़े, लेकिन ईरान ने अमेरिका की ओर से मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए बातचीत की मेज पर आने की सहमति नहीं जताई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है।मगर, सवाल है कि ईरान की ओर से जो प्रस्ताव पूर्व में दिया गया था और जिसे पहले दौर की शांति वार्ता में रखा गया था, जब उस पर किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई, तो नए प्रस्ताव की स्वीकार्यता कैसे संभव हो पाएगी? क्या ईरान अपनी शर्तों में नरमी लाएगा या फिर अमेरिका अपने रुख में बदलाव लाने पर विचार करेगा? वर्तमान में दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह के तेवर दिखाए जा रहे हैं, उससे स्थिति सुधरने के बजाय जटिल होती जा रही है।अमेरिका के राष्ट्रपति ने युद्धविराम बढ़ाने के एलान के साथ यह भी स्पष्ट कर दिया है कि ईरान पर हमले तभी तक रुके रहेंगे, जब तक उसके नेता और प्रतिनिधि समेकित प्रस्ताव तैयार नहीं कर लेते। साथ ही कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर आर्थिक नाकेबंदी जारी रहेगी। इस घोषणा के बाद ईरान की ओर से होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले किए गए। इससे पहले अमेरिका की नौसेना ने ईरानी कच्चे तेल को ले जा रहे एक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था।इस बीच, ईरान ने कहा है कि अमेरिका की ओर से जब तक नाकेबंदी नहीं हटाई जाती है, तब तक बातचीत दोबारा शुरू नहीं होगी। इससे साफ है कि भले ही युद्धविराम काफी हद तक कायम रहे और ईरान तथा अमेरिका बड़े हमले दोबारा शुरू न करें, फिर भी यह तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए रखेगा। सवाल है कि क्या अमेरिका और ईरान की यह जिम्मेदारी नहीं है, जिन देशों का इस युद्ध से सीधा संबंध नहीं है, उन पर इसका कोई प्रभाव न पड़े? दोनों देशों को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि वे शांति वार्ता की मेज पर आएं और ईमानदारी से विवाद का स्थायी हल खोजने की कोशिश करें।

अंतरिक्ष में युद्ध की दस्तक! मानव सभ्यता अपने ही बनाए तकनीकी जाल में फंसने जा रही है

आज का युद्ध सीमाओं पर खड़े सैनिकों से ज्यादा उन उपग्रहों पर निर्भर है, जो हजारों किलोमीटर ऊपर चुपचाप पूरी दुनिया की गतिविधियों को संचालित करते हैं। सैन्य रणनीतियों से लेकर मिसाइल और ड्रोन हमलों तक, संचार से लेकर मार्गदर्शन तक, हर चीज अंतरिक्ष से नियंत्रित हो रही है। यही वह बिंदु है, जहां युद्ध एक ऐसे आयाम में प्रवेश कर सकता है, जिसके परिणाम पूरी व्यवस्था के ध्वस्त हो जाने की त्रासदी के रूप में सामने आएंगे। ऐसे में अब समूची मानव सभ्यता को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं वह अपनी ही विकसित की गई तकनीकी शक्ति को अपने विनाश का साधन तो नहीं बना रही है?

(विजन कुमार पांडेय)

अंतरिक्ष युद्ध की भयावहता इसी में है कि उसका असर बहुत व्यापक और दूरगामी होता है। एक उपग्रह का नष्ट होना केवल एक उपकरण का खत्म होना नहीं होता, बल्कि यह उस तंत्र के टूटने की शुरुआत होती है, जिस पर आधुनिक जीवन टिका हुआ है।

विश्व भर में युद्ध का स्वरूप जिस तेजी से बदल रहा है, उससे यह आशंका भी गहराती जा रही है कि आने वाले दिनों में यह केवल जमीन, समुद्र या हवा तक सीमित नहीं रहेगा। यह अंतरिक्ष की ओर भी बढ़ता हुआ एक ऐसा संभावित संकट है, जिसकी भयावहता का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। पश्चिम एशिया में संघर्ष से स्पष्ट संकेत मिले हैं कि भविष्य के युद्ध में आसमान और अंतरिक्ष से लड़ने की रणनीति को प्राथमिकता दी जा सकती है। इसमें मानवीय भूमिका कम होगी, लेकिन इसके असर का दायरा व्यापक होगा।

आज का युद्ध सीमाओं पर खड़े सैनिकों से ज्यादा उन उपग्रहों पर निर्भर है, जो हजारों किलोमीटर ऊपर चुपचाप पूरी दुनिया की गतिविधियों को संचालित करते हैं। सैन्य रणनीतियों से लेकर मिसाइल और ड्रोन हमलों तक, संचार से लेकर मार्गदर्शन तक, हर चीज अंतरिक्ष से नियंत्रित हो रही है। यही वह बिंदु है, जहां युद्ध एक ऐसे आयाम में प्रवेश कर सकता है, जिसके परिणाम पूरी व्यवस्था के ध्वस्त हो जाने की त्रासदी के रूप में सामने आएंगे। ऐसे में अब समूची मानव सभ्यता को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं वह अपनी ही विकसित की गई तकनीकी शक्ति को अपने विनाश का साधन तो नहीं बना रही है?

अंतरिक्ष युद्ध की भयावहता इसी में है कि उसका असर बहुत व्यापक और दूरगामी होता है। एक उपग्रह का नष्ट होना केवल एक उपकरण का खत्म होना नहीं होता, बल्कि यह उस तंत्र के टूटने की शुरुआत होती है, जिस पर आधुनिक जीवन टिका हुआ है। जब उपग्रह पर हमले होंगे, तो अंतरिक्ष मलबे के खतरनाक जाल में बदलने लगेगा। हजारों टुकड़ों में बिखरा यह मलबा बंदूक की गोलियों की तरह तेजी से घूमेगा और दूसरे उपग्रहों से टकराकर उन्हें नष्ट कर सकता है। यह एक ऐसा चक्र है, जो शुरू तो किया जा सकता है, लेकिन उसे रोकना संभव नहीं होता। इसका अंजाम यह हो सकता है कि अंतरिक्ष दशकों तक खतरनाक मलबे का कब्रिस्तान बन जाए और समूची मानव सभ्यता तकनीकी रूप से फिर अंधकार युग में धकेल दी जाए।

जब अंतरिक्ष में कोई गड़बड़ी होगी, तो उसका असर धरती पर व्यापक रूप से महसूस होगा। एक ऐसी दुनिया की कल्पना भी डराती है, जहां इंटरनेट अचानक बंद हो जाए, मोबाइल नेटवर्क गायब हो जाएं और संचार के सभी साधन पूरी तरह से ठप पड़ जाएं। हवाई जहाज अपने रास्ते से भटक जाएं, समुद्र में जहाज अपना रास्ता खो दें, और यहां तक कि आपातकालीन सेवाएं भी काम करना बंद कर दें। अस्पताल के उपकरण, बैंकिंग प्रणाली और आपदा प्रबंधन सब कुछ ठप पड़ जाए। फिर यह किसी एक देश की समस्या नहीं होगी, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के ठहर जाने जैसा होगा। तब यह युद्ध बिना बम गिराए भी जीवन की रफ्तार को रोक देगा। तब यह प्रभाव केवल एक तकनीकी समस्या तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीधे-सीधे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव को हिला देगा। आज की दुनिया में डिजिटल तंत्र सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक जीवन रेखा बन चुका है। बैंकिंग प्रणाली, आनलाइन वित्तीय लेन-देन, शेयर बाजार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, ये सब कुछ उपग्रह आधारित संचार और मार्गदर्शन पर निर्भर है।

वर्तमान परिदृश्य में जहां 'क्रिप्टोकरेंसी' और 'रियल-टाइम ग्लोबल ट्रेडिंग' तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में संभावित अंतरिक्ष युद्ध का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। इसके अलावा, बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर कामकाज ठप हो जाने का सीधा असर आम लोगों के जीवन पर पड़ेगा। जरूरी वस्तुओं की कमी हो जाएगी, महंगाई अचानक बढ़ जाएगी और रोजगार पर भी खतरा मंडराने लगेगा। सरकारें आपातकालीन उपाय अपनाने पर मजबूर होंगी, लेकिन डिजिटल निर्भरता इतनी गहरी हो चुकी है कि पारंपरिक प्रणाली तुरंत उसकी भरपाई नहीं कर पाएगी। सबसे खतरनाक बात यह है कि इससे होने वाली तबाही अचानक दबे पांव आएगी- न कोई धमाका, न युद्ध का शोर। व्यवस्था एक ऐसे संकट में घिर जाएगी, जिसकी तुलना किसी भी पारंपरिक युद्ध से करना मुश्किल होगा।

दुनिया आज उस खतरनाक मोड़ पर खड़ी है, जहां अब परमाणु ठिकाने भी युद्ध की मार से सुरक्षित नहीं हैं। जो स्थान कभी वर्जित माने जाते थे, आज वे सैन्य रणनीति का हिस्सा बनते जा रहे हैं। यह सिर्फ एक सैन्य रणनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था के ढहने का संकेत है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस खतरे को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। यूक्रेन का जापोरिजिया परमाणु संयंत्र, जो यूरोप का सबसे बड़ा संयंत्र है, वह रूसी सेना के हमलों की जद में है। अगर वहां कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तो उसका प्रभाव केवल यूक्रेन तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह पूरे यूरोप को अपनी चपेट में ले सकता है। इसी तरह पश्चिम एशिया में तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खाड़ी देशों के लिए खतरा मानता रहे हैं। पिछले वर्ष अमेरिका की ओर से फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमले यह दिखाते हैं कि दुनिया की महाशक्तियां भी अब 'लाल रेखा' को लांघ रही हैं। इस तरह के हमले समाधान नहीं, बल्कि जोखिम और अस्थिरता को कई गुना बढ़ा देते हैं।

इस पूरे परिदृश्य का एक और चिंताजनक पहलू है- साइबर युद्ध। अमेरिका की परमाणु सुरक्षा एजेंसी में सेंध की कोशिश और वैश्विक ऊर्जा कंपनियों पर 'रैंसमवेयर' हमले यह दिखाते हैं कि परमाणु ढांचों पर अब केवल बम और मिसाइल का नहीं, बल्कि डिजिटल खतरा भी मंडरा रहा है। एक साइबर हमला किसी भी परमाणु रिएक्टर को अस्थिर कर सकता है, जिसके परिणाम किसी परमाणु विस्फोट से कम नहीं होंगे। अंतरराष्ट्रीय कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि ऐसे ठिकानों पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, जहां से खतरनाक विकिरणों का उत्सर्जन हो सकता है। मगर जब अमेरिका, रूस और इजरायल जैसे देश ही इन सीमाओं को नजरअंदाज करने लगें, तो अंतरराष्ट्रीय कानूनों के महत्त्व और प्रासंगिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इसका समाधान यही है कि परमाणु ठिकानों को हर हाल में युद्ध के दायरे से बाहर रखा जाए, चाहे वह पारंपरिक युद्ध हो या साइबर युद्ध। इसके लिए वैश्विक सहमति और कड़े प्रतिबंध जरूरी हैं। साथ ही, आइएईए जैसी संस्थाओं को और अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाना होगा, ताकि उन पर सभी देशों का विश्वास कायम रह सके। अगर आज भी दुनिया नहीं चेती, तो कल एक छोटी-सी चूक एक बड़े परमाणु हादसे में बदल सकती है। उस समय न कोई विजेता होगा, न पराजित, बल्कि केवल विनाश बचेगा। दुनिया पहले ही एक नाजुक दौर में है, जहां मौसम पूर्वानुमान और पर्यावरण निगरानी उपग्रहों पर निर्भर हैं। अंतरिक्ष संघर्ष इन प्रणालियों को कमजोर कर सकता है, जिससे आपदा चेतावनी तंत्र प्रभावित होगा और ऊर्जा संकट के चलते देश फिर से जीवाश्म ईंधनों की ओर लौटेंगे, जिससे पेरिस समझौते के लक्ष्य खतरे में पड़ सकते हैं।

यह केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि एक नैतिक संकट भी है। अंतरिक्ष, जो मानवता की साझा धरोहर है, अब शक्ति प्रदर्शन का मंच बनता जा रहा है। उपग्रह-रोधी हथियारों की होड़ विज्ञान के उद्देश्य पर ही सवाल उठा रही है। ऐसे में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। इसरो ने अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग का उदाहरण पेश किया है। भारत को वैश्विक मंचों पर अंतरिक्ष के सैन्यीकरण के खिलाफ मजबूत आवाज उठानी चाहिए। यह पूरी मानवता के भविष्य का प्रश्न है, जिसमें कोई विजेता नहीं होगा।

अंतरिक्ष में जिसका दबदबा रहेगा, वही दुनिया का सबसे बड़ा बादशाह बनेगा। पिछले वर्ष रूस ने अपने एक उपग्रह से मिसाइल हमला कर दूसरे उपग्रह को मार गिराया था। तब से रूस का यह कदम अंतरिक्ष को युद्ध के मोर्चे के रूप में बदलने की दिशा में एक बड़ी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। यही नहीं चीन भी बहुत तेजी से अंतरिक्ष जंग के लिए अपने को तैयार कर रहा है।

10-20 रुपये में मिलने वाली झालमुड़ी, लाखों लोगों का रोजगार है, हल्के में मत लीजिए सरकार

(सुधांशु माहेश्वरी)

20 रुपये की झालमुड़ी में किसानों से लेकर मजदूरों तक, व्यापारी से लेकर रेहड़ी वालों तक, सभी की मेहनत शामिल होती है।पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झालमुड़ी खाना चर्चा का विषय बन गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 24 घंटे के अंदर पीएम मोदी के उस वीडियो को 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। जिस झालमुड़ी का स्वाद पीएम मोदी ने चखा, पश्चिम बंगाल के साथ भारत के कई दूसरे राज्यों में ये लोगों का पसंदीदा स्नैक है। बात चाहे उत्तर प्रदेश की हो, पंजाब की हो, झारखंड की हो या फिर ओडिशा, अलग-अलग नामों से प्रचलित यह स्नैक वहां भी खूब खाया जाता है।

इसको बनाना जितना आसान है, इसकी कीमत भी उतनी ही किफायती है। 10 से लेकर 20 रुपये तक में पेट भर झालमुड़ी लोगों को मिल जाती है। झालमुड़ी से लाखों लोगों का घर चलता है। जिन चीजों से मिलकर यह स्नैक तैयार होता है, वही उसकी असल इकोनॉमिक्स है। झालमुड़ी बनाने में मुख्य रूप से मुरमुरा, सरसों का तेल, बारीक कटी सब्जियां, भुनी मूंगफली, उबले आलू, हरी मिर्च और मसालों का इस्तेमाल होता है।

इसका मतलब है कि एक 20 रुपये की झालमुड़ी में किसानों से लेकर मजदूरों तक, व्यापारी से लेकर रेहड़ी वालों तक, सभी की मेहनत शामिल है। शुरुआत खेत में फसल की उगाई से होती है, फिर फैक्ट्री में प्रोसेसिंग और अंत में एक ठेले वाले तक उसकी सप्लाई पहुंचती है। इस पूरी प्रक्रिया को झालमुड़ी के उदाहरण से ही समझने की कोशिश करते हैं।

झालमुड़ी में सबसे मूल सामग्री मुरमुरा है जो चावल से बनता है। इस अकेले मुरमुरा बनने की प्रक्रिया में खेत में काम करने वाले मजदूर, राइस मिल में काम करने वाले मशीन ऑपरेटर,पैकिंग स्टाफ और ट्रांसपोर्ट सप्लाई में शामिल ड्राइवर्स को नौकरी मिलती है। इसी तरह सरसों का तेल भी झामुढ़ी में इस्तेमाल होता है। इसकी बनने की प्रक्रिया में भी किसान शामिल है, फिर फैक्ट्रियों में उसकी सफाई करने वाला मजदूर है और अंत में उनकी पैकेजिंग में शामिल दूसरे कारीगर।

यहां पर भी किसानों से लेकर फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर, पैकेजिंग में शामिल स्टाफ और ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल हो रहे ड्राइवरों को नौकरी मिल रही है।

मसाले भी झालमुड़ी की एक बड़ी यूएसपी हैं जिनके बिना इस स्नैक का स्वाद ही नहीं आ सकता। यहां भी नमक उद्योग, मसाला उद्योग, पैकेजिंग इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट-लॉजिस्टिक्स तक सब शामिल हैं।

झालमुड़ी की सप्लाई चेन तो समझ आ गई है, यह स्नैक देश के लाखों ठेले वालों की एक बड़ी आजीविका भी बन चुका है। केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक भारत में 49.48 लाख रजिस्टर्ड स्ट्रीट वेंडर्स हैं। यहां भी सबसे ज्यादा स्ट्रीट वेंडर उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं जिनकी संख्या 8.49 लाख से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में भी बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स मौजूद हैं, हालांकि जानकार मानते हैं कि बड़ी संख्या अब भी रजिस्ट्रेशन के दायरे से बाहर है।

यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि सभी स्ट्रीट वेंडर फूड आइटम नहीं बेचते हैं। कपड़े, घरेलू सामान और दूसरी चीजें भी बेची जाती हैं। लेकिन यहां ज्यादा बड़ी संख्या फूड स्ट्रीट वेंडर्स की होती है, शहरों में यह चलन और ज्यादा प्रबल दिख जाता है। यही वेंडर्स सड़कों पर झालमुड़ी जैसे नाश्ते बेचते हैं। उसी से उनका घर चलता है और दो वक्त की रोटी मिल पाती है।

झालमुड़ी को एक तरह से 'रेल स्नैक' भी कहा जा सकता है। प्लेटफॉर्म पर इंतजार करता यात्री हो या ट्रेन पकड़ने की जल्दी में भागता मुसाफिर, इसकी लोकप्रियता वहां भी साफ दिखती है। भारतीय रेलवे के 7,300 से ज्यादा स्टेशनों के नेटवर्क में ज्यादातर स्टेशनों पर यह स्नैक बड़ी संख्या में बिकता है। ऐसे में 10 से 20 रुपये में मिलने वाली यह झालमुड़ी रेल इकोनॉमी से भी गहराई से जुड़ी हुई है।

इसके ऊपर भारत जैसा देश चावल का एक बड़ा उत्पादक है, दुनिया में उसकी हिस्सेदारी 28 फीसदी के करीब बैठती है। भारत में चावल की खेती लगभग 50 से 52 मिलियन हेक्टेयर में होती है। ऐसे में अगर झालमुड़ी जैसा स्नैक ना बनाया जाए तो भारत के चावल का एक बड़ा हिस्सा कहां जाएगा, उसका इस्तेमाल कैसे होगा?

ऐसे में झालमुड़ी को सिर्फ एक 10 या 20 रुपये के नाश्ते के रूप में नहीं देखा जा सकता, यह भारत की असंगठित अर्थव्यवस्था का अहम अंग है जिसका कागजों में भले ही टर्नओवर ना दिखे, लेकिन लाखों लोगों का यह सहारा है।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका संघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

(उमेश चतुर्वेदी)

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका संघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा , जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है।

ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

डर से विकास तक : जाटलूर में उम्मीदों का नया साप्ताहिक बाजार

नारायणपुर। जिले के घने जंगलों के बीच बसा अबूझमाड़ कभी डर और अनिश्चितता का पर्याय था। यहां की खामोशी में अक्सर बंदूकों की आवाज गूंजती थी, और लोगों का जीवन भय के साये में सिमटकर रह गया था। लेकिन वक्त ने करवट ली और वही इलाका एक नई कहानी लिख रहा है। कलेक्टर नम्रता जैन के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने स्थानीय स्तर पर बाजार लगाने की मांग रखी थी। कलेक्टर ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही साप्ताहिक बाजार शुरू कराने का आश्वासन दिया था। ओरछा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम जाटलूर में अब हर शनिवार साप्ताहिक हाट बाजार लगने लगा है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। प्रशासन की पहल के बाद अब जाटलूर में नियमित रूप से शनिवार को हाट बाजार सजने लगा है। जहां पहले सन्नाटा पसरा रहता था, वहां अब बाजार की चहल-पहल देखने को मिल रही है। आसपास के गांवों से ग्रामीण यहां पहुंचकर अपनी जरूरत का सामान खरीद रहे हैं। बाजार में रंग-बिरंगी दुकानों के साथ ताजी सब्जियां, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध हो रहे हैं। इस पहल से न केवल ग्रामीणों को दूर मुख्यालय जाने से राहत मिली है, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है। कुछ समय पहले तक आसपास के आठ गांवों के करीब 75 परिवारों को अपने जरूरी सामान के लिए दूर मुख्यालय तक जाना पड़ता था। सफर लंबा था, रास्ता मुश्किल और खतरे से भरा। लेकिन अब जाटलूर में ही बाजार लगने से उनकी जिंदगी आसान हो गई है। करीब 320 ग्रामीणों के लिए यह सिर्फ बाजार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और बदलाव की शुरुआत है। इस परिवर्तन की नींव बने हैं सरकार द्वारा स्थापित नए पुलिस कैंप। इन कैंपों ने केवल सुरक्षा ही नहीं दी, बल्कि लोगों के मन से डर को भी दूर किया। जहां पहले लोग घरों से निकलने में हिचकते थे, अब वहीं वे खुले मन से व्यापार कर रहे हैं, आपस में मिल रहे हैं और भविष्य के सपने देख रहे हैं। धीरे-धीरे सरकारी योजनाएं भी इन दुरस्थ गांवों तक पहुंचने लगी हैं। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका से जुड़ी सुविधाएं अब लोगों के जीवन को बदल रही हैं। जाटलूर का यह छोटा-सा बाजार इस बात का प्रतीक बन गया है कि जब सुरक्षा और विकास साथ चलते हैं, तो सबसे दूर और चुनौतीपूर्ण इलाके भी नई उम्मीदों से जगमगा उठते हैं।

विकास नगर स्टेडियम के पास प्लाईवुड के ढेर में लगी आग, स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय कोण्डागांव के विकास नगर स्टेडियम के समीप दोपहर बाद प्लाईवुड के ढेर में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख आसपास बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थानीय निवासी परमजीत संधे ने सबसे पहले सामुदायिक भवन के बोरवेल से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया और काफी हद तक आग पर काबू पाया। इसके बाद अन्य लोगों ने भी सहयोग करते हुए राहत कार्य में हिस्सा लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, नगर पालिका और सिटी कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। बताया जा रहा है कि यह प्लाईवुड मेला में जलपरी शो संचालित करने पहुंचे व्यापारी का था, जिसे मेला समाप्त होने के बाद वहीं छोड़ दिया गया था। फि लहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। सिटी कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों की तत्परता और प्रशासन की सक्रियता से बड़ा नुकसान टल गया।

शिक्षक मोहनलाल मरकाम की संदिग्ध मौत पर उठा सवाल, परिजनों ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की

केशकाल। केशकाल क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक मोहनलाल मरकाम की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। परिजनों ने घटना को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। परिजनों के अनुसार, 11 मार्च 2026 को विद्यालय में कार्यरत मोहनलाल मरकाम की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा बिना परिवार को तत्काल सूचना दिए उन्हें सीधे केशकाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिवार का कहना है कि घटना को एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक जांच पूरी नहीं हो सकी है, जिससे संदेह और गहराता जा रहा है। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हृदयाघात को मौत का कारण बताया गया है, लेकिन परिजन इसे पर्याप्त नहीं मानते और विस्तृत जांच की मांग कर रहे हैं। मृतक की पत्नी कांती मरकाम ने आरोप लगाया है कि घटना के दिन विद्यालय में स्टाफ के बीच विवाद की स्थिति बनी थी, जिसमें एक महिला शिक्षक द्वारा कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। उनका कहना है कि इस तनावपूर्ण स्थिति के कारण उनके पति की तबीयत अचानक बिगड़ी और उन्हें गहरा मानसिक आघात पहुंचा। बताया गया कि तबीयत बिगड़ने पर विद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी उन्हें तत्काल अस्पताल ले गए, लेकिन रास्ते में या उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि घटना के संबंध में अलग-अलग लोगों के बयान सामने आ रहे हैं, जिससे मामले में संदेह और बढ़ गया है। परिवार ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों पर उचित कार्रवाई हो। साथ ही उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की भी अपील की है।

हायर सेकेण्डरी स्कूल बड़े मोराढपाल के स्थानीय परीक्षा परिणाम घोषित

जगदलपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयबड़े मोरठपाल, विकासखंड तोकापाल में कक्षा 9वीं एवं 11वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में उत्साह का माहौल रहा। कक्षा 11वीं वाणिज्य संकाय में कनकदेई ने 88.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कांति बघेल 71.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं। विज्ञान संकाय में कामिनी सेठिया ने 91.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा पिंकी कश्यप 90.2 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं। कृषि संकाय में पूरन सेठिया 80.6 प्रतिशत के साथ प्रथम एवं प्रतिमा 79.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं। वहीं कक्षा 9वीं में यशोदा बघेल ने 76.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बलमन नाग 75.5 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा दिनेश कुमार 73.8 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम घोषित कक्षा 10वीं में नारायणपुर को राज्य में दूसरा स्थान

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 29 अप्रैल 2026 को हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा वर्ष 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। जिले के विद्यार्थियों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। जिले के कुल 16 परीक्षा केंद्रों में आयोजित कक्षा 10वीं की परीक्षा में कुल 1547 परीक्षार्थी दर्ज थे, जिनमें से 1523 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए तथा 24 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। कक्षा 10वीं का कुल परीक्षा परिणाम 94.80 प्रतिशत रहा। इसमें बालकों का परिणाम 95.09 प्रतिशत तथा बालिकाओं का परिणाम 94.53 प्रतिशत दर्ज किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जिला नारायणपुर ने राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 12वीं की परीक्षा में कुल 1368 परीक्षार्थी दर्ज थे, जिनमें से 1365 विद्यार्थी उपस्थित हुए तथा 3 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

12वीं बोर्ड में सालेहा पारेख ने किया कमाल 95 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में टॉप

केशकाल। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम में केशकाल की छात्रा सालेहा पारेख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने स्कूल, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बता दें कि सालेहा पारेख पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, केशकाल की छात्रा हैं। उनकी इस सफलता से विद्यालय सहित पूरे नगर में खुशी का माहौल है। खास बात यह है कि सालेहा ने इससे पहले कक्षा 10वीं में भी जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। सालेहा, केशकाल के पत्रकार इमरान पारेख की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, शिक्षकगण और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सालेहा की इस सफलता को उनकी मेहनत, अनुशासन और लगातार बेहतर प्रदर्शन का परिणाम माना जा रहा है। उनकी उपलब्धि से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। सालेहा पारेक की इस उपलब्धि पर समस्त पत्रकार साथियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी खुशी जाहिर करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। खास बात यह है कि इस बार भी पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पूरी तरह छात्राओं का दबदबा रहा। जिले के टॉप 10 में छात्रा सलीमा पिता गुलाम ने 92.80, आएशा खातून मेमन पिता मो. आवेश ने 91.60, नाजिश फातिमा पिता शब्बीर मेमन ने 91.20 अंक हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है।

ज्ञान भारतम् अभियान के अंतर्गत ग्राम बड़े कनेरा में मिली प्राचीन पांडुलिपियां

कोंडागांव। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में ःज्ञान भारतम् अभियानः के अंतर्गत पांडुलिपि (हस्तलिखित ग्रंथ) सर्वेक्षण कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा आज ग्राम बड़े कनेरा का भ्रमण किया गया। इस दौरान कलेक्टर पन्ना ने ग्राम बड़े कनेरा निवासी रामूराम यादव के घर पर पहुंचकर लगभग 150 वर्ष पुरानी उड़िया भाषा में लिखित लगभग 08 प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण कराया। उन्होंने यादव से इन पांडुलिपियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें वर्षों से सुरक्षित संरक्षित रखने के लिए सराहना की।

पुनर्वासितों की ट्रैक्टर प्रशिक्षण से नई जिंदगी की शुरुआत

बंदूक से बदलाव तक

नारायणपुर। जिले में स्थापित पुनर्वास केंद्र, लाइवलीहुड कॉलेज नारायणपुर, आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए एक नई उम्मीद का केंद्र बन चुका है। यहां न केवल उन्हें सुरक्षा और आश्रय मिल रहा है, बल्कि उन्हें समाज से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल भी की जा रही हैं। जिन्होंने कभी बंदूक का रास्ता अपनाया था, लेकिन आज वही लोग मुख्यधारा में लौटकर सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में प्रशासन द्वारा पुनर्वासित लोगों को शासकीय सेवाओं का लाभ दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। हाल ही में 8 पुनर्वासित लोगों को वोटर आईडी कार्ड बनाकर वितरित किए गए, जिससे वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बन सके। इसके अलावा 25 लोगों का ऑनलाइन पंजीयन किया गया और 40 लोगों के फॉर्म-6 भरवाए गए। यह पहल केवल दस्तावेज बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन्हें एक पहचान देने और समाज में बराबरी का अधिकार दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कलेक्टर नम्रता जैन के पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के दौरान एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने इस बदलाव को और भी गहराई से दर्शाया। यहां मौजूद 40 पुनर्वासित आत्मसमर्पित नक्सलियों ने उनसे एक विशेष मांग रखी कि वे ट्रैक्टर चलाना सीखना चाहते थे, साथ ही ट्रैक्टर की मरम्मत और रखरखाव का प्रशिक्षण भी लेना चाहते थे। यह मांग इसलिए भी खास थी क्योंकि इनमें से कई लोग ऐसे थे, जिन्होंने अपने जीवन में कभी साइकिल तक नहीं चलाई थी। कलेक्टर नम्रता जैन ने इस मांग को गंभीरता से लिया और बिना किसी देरी के तत्काल कार्रवाई करते हुए सोमवार से ही प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करवा दिया। अब ये सभी लोग नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें उन्हें ट्रैक्टर चलाने की बारीकियां, उसकी तकनीकी जानकारी, मरम्मत और रखरखाव के तरीके सिखाए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण केवल एक कौशल विकास कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन को नई दिशा देने का माध्यम बन रहा है। ट्रैक्टर चलाना सीखने के बाद वे खेती-किसानी, परिवहन या अन्य कार्यों के माध्यम से अपनी आजीविका कमा सकेंगे। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि वे आत्मसम्मान के साथ समाज में अपनी नई पहचान भी बना सकेंगे। इन पुनर्वासित लोगों के जीवन में स्पष्ट बदलाव देखा जा सकता है। जहां पहले उनके जीवन में अस्थिरता और डर था, वहीं अब उनके चेहरों पर आत्मविश्वास, संतोष और भविष्य के प्रति उम्मीद दिखाई देती है। वे राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और धीरे-धीरे एक सामान्य नागरिक की तरह जीवन जीने की ओर अग्रसर हैं। नारायणपुर का यह पुनर्वास केंद्र अब केवल एक पुनर्वास स्थल नहीं रहा, बल्कि यह परिवर्तन, विश्वास और नई शुरुआत का प्रतीक बन गया है। यह साबित करता है कि यदि सही दिशा, अवसर और सहयोग मिले, तो कोई भी व्यक्ति अपने अतीत को पीछे छोड़कर एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ सकता है।

पुलिस द्वारा शादी का झांसा देने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोण्डागांव। पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि आरोपी मई 2025 मे फोन नम्बर मांग कर बात करने लगा और बात करते करते दोस्ती किया और शादी करूँगा, पत्नी बनाऊगा विश्वास दिलाया और शारीरिक सम्बन्ध बनाया और लगातार सम्बन्ध बनाता रहा, सम्बन्ध बनाने की वजह से गर्भवती हो गई तो शादी करने से मना किया तब प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना मर्दापाल मे रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना मे लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुये पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने थाना कोण्डागांव से टीम गठित किया गया। विवेचना के दौरान आरोपी कुशल दीवान पिता सोना दीवान उम्र 35 वर्ष निवासी राजपुर सरगीगुडा पारा थाना भानपुरी जिला बस्तर से घटना के संबंध मे पूछताछ करने पर अपराध करना स्वीकार करने व आरोपी के विरूध्द अपराध सबूत पाये जाने से 27 अप्रैल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया।

केशकाल की व्याख्याता संध्या श्रीवास्तव को मिला राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक सम्मान

केशकाल। पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय , केशकाल की अंग्रेजी व्याख्याता संध्या श्रीवास्तव को 'सावित्रीबाई' फुले राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें शिक्षा में नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और छात्र-केंद्रित पद्धतियों के प्रभावी उपयोग के लिए प्रदान किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला शिक्षक फेडरेशन नई दिल्ली के द्वारा बुधवार को रायपुर के वृन्दावन हॉल में प्रमाण पत्र के माध्यम से सन्ध्या श्रीवास्तव को उनके उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता दी गई। संध्या श्रीवास्तव ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर रचनात्मक प्रयास करते हुए विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच विकसित करने के साथ-साथ समावेशी शिक्षा को भी बढ़ावा दिया है। विशेष रूप से उन्होंने अंग्रेजी भाषा के विकास हेतु 15 नवाचारी पुस्तकों (ई-बुक एवं प्रिंट) का निर्माण किया है, जिनमें क्यूआर कोड के माध्यम से ऑडियो-वीडियो सामग्री जोड़ी गई है। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक आधुनिक, प्रभावी और रुचिकर बनी है। कोंडागांव जिले में उनके नवाचारों ने शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ किया है और विद्यार्थियों के भीतर सीखने की नई ऊर्जा का संचार किया है। इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग, सहकर्मियों और विद्यार्थियों में खुशी और गर्व का माहौल है।

10वीं कक्षा परीक्षा परिणाम में जिले के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 29 अप्रैल 2026 को हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा वर्ष 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कक्षा 10वीं परीक्षा में विश्व दीप्ति हाई स्कूल नारायणपुर की छात्रा भाविका देवांगन पिता पुरेंद्र देवांगन ने 94.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर की छात्रा कविता कोर्राम पिता सिंगाराय कोर्राम ने 94 प्रतिशत अंकों के साथ प्राप्त किया। तृतीय स्थान विश्व दीप्ति हाई स्कूल नारायणपुर के छात्र सिद्धार्थ सिंह राणा पिता बीरेंद्र सिंह राणा ने 93.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर हासिल किया। चतुर्थ स्थान पर विश्व दीप्ति हाई स्कूल नारायणपुर की छात्रा अन्वेषा यादव पिता उमाशंकर यादव रहीं, जिन्होंने 92.33 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। पांचवां स्थान शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर के छात्र अमित वाड्डे पिता सतेर ने 92 प्रतिशत अंकों के साथ प्राप्त किया। जिले के विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन तथा अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सर्वे कार्यों की हुई समीक्षा

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत विकासखंड कोंडागांव में अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर द्वारा ग्राम बाखरा, करणपुर एवं सुकुरपाल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अभियान के तहत संचालित स्वास्थ्य सर्वे कार्यों की प्रगति का जायजा लेना एवं मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना रहा। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने सर्वे टीमों को निर्देशित किया कि वे सभी जानकारी की ऑनलाइन एंट्री निर्धारित समय सीमा के भीतर एवं पूर्ण सटीकता के साथ करें, जिससे शासन को अद्यतन एवं सही डेटा प्राप्त हो सके।

उन्होंने लंबित (सस्पेंडेड) प्रकरणों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र रेफर कर जांच एवं उपचार प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। अपर कलेक्टर ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने एवं प्रत्येक व्यक्ति की आभा आईडी तैयार करने पर विशेष जोर दिया, ताकि आमजन को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। साथ ही सर्वे के दौरान लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर डॉ. हरेंद्र बघेल एवं बीपीएम नीरज सोरी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी टीमों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने पर बल दिया।

एनएमडीसी सीएसआर के तहत नि :शुल्क चिकित्सा जांच शिविर

किरंदुल। किरंदुल कॉम्प्लेक्स के अधिशासी निदेशक रवीन्द्र नारायण, के कुशल निर्देशन एवं के.एल.नागवेणी,उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के मार्गदर्शन में नैगम सामाजिक दायित्व के तहत परियोजना के आसपास के आदिवासी ग्रामीणों को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी तारतम्य में परियोजना द्वारा सीएसआर के तहत निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाकर ग्राम पंचायत समलवार, ग्राम पंचायत चोलनार, ग्राम पंचायत कलेपाल, ग्राम पंचायत कोड़ेनार, ग्राम पंचायत टिकनपाल, ग्राम पंचायत बेनपाल के आदिवासियों के लिए निःशुल्क खून जांच, ब्लडप्रेशर, मलेरिया जांच, खांसी, सर्दी एवं बुखार आदि बीमारियों की जांच की गई।मेडिकल जांच टीम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ एम.वी.लाल, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.अमृता श्रीवास्तव, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.खुशबू श्रीवास्तव, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.प्रशांत सिंगदिलवार ने ग्रामवासियों की स्वास्थ्य जांच की। इस निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर के दौरान विवेक कुमार रक्शा,प्रबंधक (सीएसआर), एस.आर. गावडे,कुनामी हंसदा, सुनील कुमार,सुनीता कुंजाम,विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचगण आदिवासी ग्रामीण व बच्चे भारी संख्या में उपस्थित थे।डाक्टर्स द्वारा जांच उपरांत आदिवासी ग्रामीणों को निःशुल्क दवाई प्रदान की गई।

2 मई को लगेगा विशाल फ्री हेल्थ कैंप, रायपुर के विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे सेवाएं

केशकाल। नगर के जनपद प्राथमिक शाला परिसर में 2 मई 2026 (शनिवार) को मुस्लिम समाज जमात रज़ा-ए-मुस्तफ़ा, केशकाल द्वारा एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में रायपुर के आईएलएस हॉस्पिटल से आए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर मरीजों की जांच और परामर्श देंगे।

7 प्रकार के प्रमुख विभागों के डॉक्टर आमंत्रित

बता दें कि यह शिविर सुबह 9:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें हृदय, स्त्री रोग, अस्थि रोग, तंत्रिका, फेफड़ा, सामान्य रोग सहित विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए यह शिविर काफी उपयोगी साबित होगा। अक्सर देखा जाता है कि गंभीर या विशेष जांच के लिए लोगों को रायपुर, जगदलपुर या कोंडागांव जाना पड़ता है, जिससे समय और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ते हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर इस तरह का स्वास्थ्य शिविर लगना बड़ी राहत की बात है।

शिविर में ये डॉक्टर देंगे सेवाएं- डॉ. प्रतीक पाण्डे - हृदय शल्य चिकित्सा, डॉ. मनीषा शर्मा - स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. राहुल शाह- अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. अमित जैन - तंत्रिका विज्ञान, डॉ. बालकृष्ण -पल्मोनोलॉजी, डॉ. प्रियंका खत्री - जनरल मेडिसिन, डॉ. धीरज प्रेमचंदानी - जीआई सर्जरी

जरूरतमंद मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

इस पहल से खासकर उन लोगों को लाभ मिलेगा जो किसी कारणवश बड़े शहरों तक नहीं पहुंच पाते। शिविर के माध्यम से उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से सीधे परामर्श और प्राथमिक उपचार की सुविधा अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध होगी। आयोजकों की यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में एक सराहनीय कदम मानी जा रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं और जरूरतमंदों तक इसकी जानकारी जरूर पहुंचाएं।

संक्षिप्त समाचार

सीएसएमटी-सांतरागाछी के मध्य एक तरफ 01 ट्रिप के लिए समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन

बिलासपुर। ग्रीष्मकालीन भीड़ के दौरान यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से सीएसएमटी–सांतरागाछी के मध्य एक तरफ 01 ट्रिप के लिए समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 01145 सीएसएमटी–सांतरागाछी समर स्पेशल ट्रेन पनवेल से दिनाँक 02 मई 2026 को चलेगी 7 इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है गाड़ी को समय सारिणी गाड़ी संख्या 01145 सीएसएमटी–सांतरागाछी समर स्पेशल ट्रेन सीएसएमटी से दिनाँक 02 मई 2026 शनिवार को 11.20 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया आगमन 03.28 बजे, प्रस्थान 03.30 बजे, दुर्ग आगमन 05.40 बजे, प्रस्थान 05.45 बजे, रायपुर आगमन 06.20 बजे, प्रस्थान 06.25 बजे, बिलासपुर आगमन 08.05 बजे, प्रस्थान 08.15 बजे होते हुये 20.30 बजे सांतरागाछी स्टेशन पहुंचेगी कोच संरचना – इस स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआरडी, 06 जनरल, 10 स्लीपर, 03 एसी–इकइइ कोच सहित कुल 21 आई सी एफ कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी । वाणिज्यिक ठहराव – रास्ते में ये समर स्पेशल गाड़ी दादर, ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, भुसावल, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर, खड़गपुर, स्टेशनों पर रुकेगी

सरसीवा क्षेत्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने की जांच

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जन स्वास्थ्य की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'सही दवा शुद्ध आहार', यही है छत्तीसगढ़ का आधार की थीम पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा सरसीवा क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया तथा छोटे छोटे ठेले, गुमटी, होटल, कोल्डड्रिंक सेंटर व किराना दुकानों में जाकर निरीक्षण किया गया एवं उनको खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कुछ जगह पर अखाद्य रंग, उपयोग किये तेल, कालातीत खाद्य सामग्री को नष्ट कराया गया। दल द्वारा जगह जगह उपस्थित लोगों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया तथा जिन दुकानदारों के पास आवश्यक खाद्य पंजीयन नहीं पाया गया उनको पंजीयन हेतु निर्देशित किया गया। आम जनता से भी अपील किया गया कि खाद्य पदार्थों का उपभोग जांच परख कर ही किया जाए। किसी भी प्रकार का अगर कोई शिकायत हो तो विभाग को सूचित करने की अपील की गई। पुलिस और राजस्व विभाग के दल में अभिहित अधिकारी भारत भूषण पटेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी वरुण पटेल शामिल थे।

नीलकंठ कंपनी के 75 श्रमिकों ने थामा कोयला मजदूर सभा का दामन

कोरबा। जमुना–कोतमा क्षेत्र के श्रमिक हितों को लेकर रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कोयला मजदूर सभा के केंद्रीय महामंत्री का क्षेत्र में आगमन हुआ। उनके आगमन पर क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने स्वागत किया तथा श्रमिकों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर औपचारिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्र के कामगारों की समस्याओं, वेतन विसंगतियों, श्रमिक अधिकारों और ठेका कंपनियों की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान नीलकंठ कंपनी में कार्यरत लगभग 70 से 75 श्रमिकों ने केंद्रीय महामंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं। इस अवसर पर इन श्रमिकों ने कोयला मजदूर सभा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर संगठन के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। श्रमिकों ने बताया कि नीलकंठ कंपनी द्वारा उन्हें एचपीसी कमेटी के निर्धारित मानकों के अनुरूप भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे वे लंबे समय से आर्थिक शोषण का सामना कर रहे हैं। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि कंपनी प्रबंधन एचपीसी कमेटी की गाइडलाइन के अनुरूप मजदूरी भुगतान करने में लगातार मनमानी कर रहा है। इससे श्रमिकों और उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। श्रमिकों ने केंद्रीय नेतृत्व से मांग की कि इस गंभीर विषय में हस्तक्षेप कर उचित न्याय दिलाया जाए। मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय महामंत्री ने श्रमिकों को आश्वस्त किया कि नीलकंठ कंपनी के कामगारों के हितों की रक्षा के लिए संगठन शीघ्र ठोस कदम उठाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कंपनी प्रबंधन को एचपीसी रेट के अनुसार सभी श्रमिकों का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के हक पर किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संगठन हर स्तर पर मजदूरों की लड़ाई मजबूती से लड़ेगा। बैठक के दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष ने उपस्थित श्रमिकों, पदाधिकारियों एवं केंद्रीय महामंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है और क्षेत्र के हर मजदूर की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

एसईसीएल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 754 भू-स्वामियों को रोजगार प्रदान किया गया.....

बिलासपुर :– पारदर्शिता सुदृढ़ करने की दिशा में कदम: भूमि के बदले रोजगार मामलों से संबंधित शिकायतों हेतु एसईसीएल में उच्चस्तरीय समिति का गठन साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने हाल ही में समाप्त वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान भूमि अधिग्रहण के बदले रोजगार नीति के अंतर्गत 754 पात्र भू–स्वामियों को नियमानुसार रोजगार प्रदान किया है। इसी क्रम में एसईसीएल ने भूमि अधिग्रहण के बदले रोजगार से संबंधित प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय स्थायी समीक्षा समिति का गठन किया है। यह कदम कंपनी की सतत सतर्कता एवं सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता का हिस्सा है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान एसईसीएल द्वारा 300 हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र परिवारों को कंपनी की स्थापित नीतियों के अनुसार लाभ प्रदान किया जाना है। इस प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखना कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। कंपनी द्वारा जारी आदेश के तहत समिति में महाप्रबंधक (भू–राजस्व), एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर को अध्यक्ष तथा महाप्रबंधक (योजना–परियोजना) एवं महाप्रबंधक (श्रमशक्ति) को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। समिति का दायित्व प्राप्त आवेदनों एवं दस्तावेजों की जांच, शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष परीक्षण तथा आवश्यक अनुशंसाएं सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत करना होगा। एसईसीएल सदैव पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नियमों के अनुपालन के उच्च मानकों

का पालन करता रहा है। समिति का गठन एक एहतियाती एवं प्रणाली सुदृढ़ीकरण का कदम है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी प्रकार के अनियमित प्रयासों का प्रभाव वास्तविक हितग्राहियों के अधिकारों पर न पड़े। हाल के समय में कर्मचारियों के विरुद्ध आधारहीन अथवा भ्रामक शिकायतों के कुछ मामले भी संज्ञान में आए हैं। इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि किसी भी प्रकार की दुर्भावनापूर्ण या तथ्यों से परे शिकायतों के विरुद्ध कंपनी आवश्यकतानुसार समुचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए अधिकृत है। अतः सभी संबंधित पक्षों से अपेक्षा की जाती है कि वे तथ्यों पर आधारित एवं जिम्मेदार तरीके से ही अपनी बात प्रस्तुत करें। कंपनी आम नागरिकों से अपील करती है कि वे केवल अधिकृत माध्यमों पर ही भरोसा करें तथा किसी भी प्रकार के प्रलोभन या अपुष्ट दावों से सावधान रहें। किसी भी अतिरिक्त जानकारी अथवा स्पष्टीकरण हेतु इच्छुक व्यक्ति बिलासपुर स्थित एसईसीएल मुख्यालय में महाप्रबंधक (भू–राजस्व) कार्यालय से पत्राचार के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

अप्रैल में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 21 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत 21 रेल परिवार के सदस्य माह अप्रैल 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हुये । मंडल कार्मिक सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार एवं सहायक कार्मिक अधिकारी श्री भास्कर गुहा द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज,सेवा प्रशस्ति प्रमाण–पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से

संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे । मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 21 रेल परिवार के सदस्यों में परिचालन विभाग से 05, इंजीनियरिंग विभाग से 03, विद्युत विभाग से 05, मेकेनिकल विभाग से 02, सिग्नल व दूरसंचार विभाग से 03, चिकित्सा विभाग से 01 तथा वाणिज्य विभाग से 02 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारियों द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी गई तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई

बिलासपुर मंडल की ऐतिहासिक उपलब्धि: 09 प्रमुख स्टेशनों को मिला आईएसओ 14001:2015 प्रमाणन

■ पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

बिलासपुर। भारतीय रेलवे की 'स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत' परिकल्पना को साकार करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल ने पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की है। मंडल के 09 प्रमुख रेलवे स्टेशनों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ISO 14001:2015 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली का प्रतिष्ठित प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के कुशल मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (EnHM), वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं मंडल यांत्रिक अभियंता

(EnHM) के प्रभावी नेतृत्व में संभव हुई है। यह प्रमाणन अत्यंत सघन एवं चुनौतीपूर्ण ऑडिट प्रक्रिया के उपरांत प्रदान किया गया, जिसमें स्टेशनों की स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, ऊर्जा दक्षता एवं पर्यावरण जागरूकता जैसे विभिन्न पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत बिलासपुर, चांपा, रायगढ़, कोरबा, अनूपपुर, पेंड्रारोड, शहडोल, उमरिया एवं अंबिकापुर सहित कुल 09 स्टेशनों को पर्यावरण अनुकूल कार्यप्रणाली के लिए यह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि मंडल पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन (EnHM) एवं वाणिज्य विभाग द्वारा सभी विभागों के साथ बेहतर समन्वय करते हुए इन स्टेशनों पर अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, ऊर्जा दक्षता तथा प्रदूषण नियंत्रण के उच्च मानकों को रिकॉर्ड समय में लागू किया गया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन एजेंसी द्वारा यह प्रतिष्ठित प्रमाणन प्रदान किया गया। ISO 14001:2015 प्रमाणन प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि बिलासपुर मंडल न केवल उत्कृष्ट रेल संचालन के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास के प्रति भी पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है।

बारात में हंगामा,तीन लोगों का सिर फोड़ा,अपराध दर्ज

कोरबा। जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात बारात में हंगामा मच गया। गाड़ी निकालने की बात को लेकर बारात में शामिल लोगों ने तीन लोगों का माथा और सिर फोड़ दिया। लहूलुहान तीनों लोगों का उपचार स्थानीय अस्पताल में कराया गया।प्रारम्भिक जानकारी के मुताबिक अग्रसेन भवन से बारात निकली थी। इस दौरान जय स्तम्भ चैक के पास नरेंद्र ज्वेलर्स के सामने जाम लग गया था। बारात के बीच से रात करीब 10.30 बजे बाइक निकालने के दौरान हुए विवाद में दो युवक दाऊद अली व दानिश अली को बारातियों ने जमकर पीटा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने हाथ–मुक्कों के साथ–साथ सड़क किनारे पड़े ईंट और पत्थरों का भी इस्तेमाल किया। इस हमले में दोनों भाईयों के सिर पर गहरी चोटें आई हैं, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में 8 टांके लगाने पड़े। ?बारातियों ने इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक ट्रक चालक पिंटू गुप्ता (निवासी चिरी, मध्य प्रदेश) के साथ भी मारपीट की। उसका भी माथा फूट गया है। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान मौके पर अफरा–तफरी का माहौल निर्मित हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। घटना के बाद पीड़ितों ने कटघोरा थाना पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी ने अधिकारियों को अवगत कराते हुए मामले की गंभीरता को देखते आरोपी अमित मित्तल, नितेश मित्तल एवं अन्य लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

एसईसीएल मुख्यालय के 10 कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गयी...........

बिलासपुर। 30.04.2026 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले 10 कर्मियों को मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। मुख्यालय प्रशासनिक भवन के कान्फ्रेन्स हाल में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन के मुख्य आतिथ्य, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एन फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (एचआर) श्री बिरंची दास, सीवीओ श्री हिमांशु जैन एवं निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र, विभीन्न विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों–कर्मचारियों की उपस्थिति में श्री चन्द्रमोहन वर्मा महाप्रबंधक (सिविल) सीएसआर विभाग, श्री एसके महापात्रा मुख्य प्रबंधक (खनन/मार्सवि), श्री संजय दास प्रबंधक (सर्वे) योजना परियोजना विभाग, श्री श्याम बोरकर सहायक अभियंता नगर प्रशासन विभाग, श्री पुरुषोत्तम लाल साहू असिस्टेंट सुपरवाईजर ई/टी विभाग, श्री व्ही. नागेश फोरमेन इंचार्ज नगर प्रशासन विभाग, श्री संतोष कुमार मेश्राम असिस्टेंट सुपरवाइजर नगर प्रशासन विभाग, श्री दल बहादुर गुरुंग सिनीयर डुप्लीकेटिंग ऑपरेटर सीएमडी सचिवालय, श्री बैकुंठ महानंदा सामान्य सहायक श्रेणी–4 वसंत

विहार डिस्पेंसरी, श्री भोला प्रसाद सुरक्षा प्रहरी को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गयी। इस अवसर पर शीर्ष प्रबंधन ने अपने–अपने उद्बोधन में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी–कर्मचारी के योगदान, कार्यकौशली से ही कम्पनी सफलता के मुकाम पर पहुँची है। सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। अंत में उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के सपरिवार उज्जवल भविष्य की ईश्वर से कामना की। सेवानिवृत्त अधिकारियों–कर्मचारियों ने कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यहां के कर्मचारियों में कार्य के प्रति बहुत ही निष्ठा है। यहाँ के अधिकारी–कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर साथ में कार्य करते हैं एवं किसी कार्य को बोझ समझकर नहीं करते हैं। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों का परिचय पढ़ते हुए सफलतापूर्वक उद्घोषणा का दायित्व प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सविता निर्मलकर ने निभाया।

एसईसीएल मुख्यालय में विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस 2026 का आयोजन संपन्न...

बिलासपुर :– दिनांक 28.04.2026 को एसईसीएल मुख्यालय प्रांगण में विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस 2026 के अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस 2026 की थीम आइए एक स्वस्थ मनो सामाजिक कार्य वातावरण सुनिश्चित करें है। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन दवारा निदेशक (तकनीकी संचालन) श्री एन फ्रेंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, निदेशक तकनीकी (योजना–परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र, विभीन्न विभागाध्यक्षों, श्रम संघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों–कर्मचारियों की उपस्थिति में सुरक्षा ध्वज फहराकर की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, विभीन्न विभागाध्यक्षों, श्रम संघ प्रतिनिधियों ने ने मुख्यालय परिसर स्थित श्रमिक प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । इस अवसर पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें अपने माईन व मशीन के साथ –साथ अपने मेनपावर की सुरक्षा व स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए, हमें अपने कार्यस्थल पर स्वस्थ्य वातावरण निर्मित कर रखना चाहिए ताकि उसका सकारात्मक परिणाम हमें मिले । उन्होंने आगे कहा सुरक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं बल्कि हमारी कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक कर्मचारी शारिरीक

ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी सुरक्षित और समर्थ महसूस करे । उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमें अपने दैनिक जीवन में शारीरिक व्यायाम को सदैव अपनाए रखना चाहिए इससे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है । मनो सामाजिक कार्य वातावरण ही सतत उत्पादन और संगठात्मक उत्कृष्ता की आधारशीला है । इस अवसर पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन दवारा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष कोल इंडिया लिमिटेड के संदेश का पठन महाप्रबंधक (सुरक्षा/बचाव) श्री प्रकाश राय दवारा किया गया, जिसमें सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर अमल व सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था।

जिला पंचायत सामान्य सभा संपन्न सुशासन तिहार की तैयारी तेज

एमसीबी। जिला मुख्यालय में आयोजित जिला पंचायत की सामान्य सभा में आज विकास, सुशासन, बजट और जनहितकारी योजनाओं को लेकर व्यापक मंथन हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह की अध्यक्षता में संपन्न इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, सभी जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रशासनिक तैयारियों से लेकर ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, कृषि और आधारभूत संरचना तक के मुद्दों पर गंभीर समीक्षा की गई।

बैठक की शुरुआत जनगणना 2027 की तैयारियों से हुई, जहां एसडीएम लिंगराज सिदार ने जनप्रतिनिधियों को मोबाइल ऐप आधारित जनगणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस बार जनगणना तकनीक आधारित होगी, जिससे पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित होगी। उन्होंने मकान सूचीकरण और गणना कार्य को सफल बनाने जनसहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही ज्ञान भारतम एप के माध्यम से राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें देश की सांस्कृतिक धरोहरों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की प्रक्रिया समझाई गई।

मई महीने में हैं कई खास व्रत-त्योहार

इस माह में कई महत्वपूर्ण दिन पड़ेंगे। बुद्ध पूर्णिमा, ज्येष्ठ अधिकमास, वट सावित्री व्रत जैसे कई प्रमुख व्रत और त्योहार मई के महीने में आने वाले हैं। इन पर्व का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व बताया गया है। साथ ही, इस दौरान अपरा एकादशी और पद्मिनी एकादशी का व्रत भी किया जाएगा। मान्यता है कि एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा करने से पुण्य फल प्राप्त होता है। शास्त्रों में भी इन तिथियों को बहुत पुण्यकारी माना गया है। आइए विस्तार से जानते हैं कि मई 2026 में कौन-कौन से प्रमुख व्रत त्योहार पड़ेंगे।

मई 2026 के प्रमुख व्रत-त्योहार लिस्ट

वैशाख बुद्ध पूर्णिमा	1 मई, शुक्रवार
वैशाख स्नान समाप्त	1 मई, शुक्रवार
नारद जयंती	3 मई, रविवार
अपरा एकादशी	13 मई, बुधवार
गुरु प्रदोष व्रत	14 मई, गुरुवार
शनि जयंती	16 मई, शनिवार
वट सावित्री व्रत	16 मई, शनिवार
ज्येष्ठ अधिक मास	17 मई, रविवार
गंगा दशहरा	25 मई, सोमवार
पद्मिनी एकादशी	26 मई, मंगलवार
गुरु प्रदोष व्रत	28 मई, गुरुवार

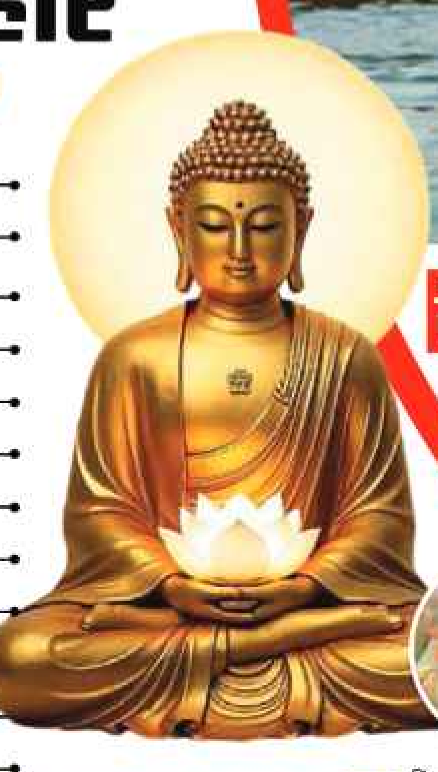

वैशाख मास की पूर्णिमा पर दान-स्नान का धार्मिक महत्व

वैशाख पूर्णिमा हिंदू धर्म की अत्यंत पवित्र तिथियों में से एक मानी जाती है। यह दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु और भगवान बुद्ध की आराधना के लिए समर्पित होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण हुआ था, इसलिए इसे बुद्ध पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन श्रद्धालु स्नान, दान, जप और पूजा-पाठ करके पुण्य अर्जित करते हैं। मान्यता है कि इस दिन जन, अन्न और वस्त्र का दान करने से अपार पुण्य और सुख समृद्धि प्राप्त होती है। इस साल वैशाख पूर्णिमा को लेकर संशय बना हुआ है क्योंकि पूर्णिमा तिथि दोनों दिन रहेगी। आइए जानते हैं तिथि और दान- स्नान का शुभ मुहूर्त

वैशाख बुद्ध पूर्णिमा

हिंदू धर्म मे पूर्णिमा तिथि का बहुत खास महत्व है। वैशाख मास में पड़ने वाली पूर्णिमा तिथि को वैशाख बुद्ध पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इसे बौद्ध धर्म में भी अत्यंत शुभ दिन माना जाता है। कहते हैं कि बुद्ध पूर्णिमा पर महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। साथ ही, इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने का विधान बताया गया है। इस बार बुद्ध पूर्णिमा 1 मई, शुक्रवार के दिन पड़ रही है।

कब है वैशाख पूर्णिमा :

फ्यूचर पंचांग के अनुसार वैशाख पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल 2026 की रात 9:12 बजे से शुरू होगी और 1 मई 2026 की रात्रि 10:52 बजे समाप्त होगी। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार वैशाख पूर्णिमा 1 मई को मनाई जाएगी।

ऐसे करें पूजा :

वैशाख पूर्णिमा का धार्मिक महत्व
वैशाख पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने और दान करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होने की मान्यता है। खासकर गंगा स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। वहीं इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, व्रत और दान करने से सुख-समृद्धि, शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस दिन जल, अन्न, वस्त्र, पंखा, छाता आदि का दान विशेष फलदायी माना जाता है। पीपल के वृक्ष की पूजा करने और दीपदान करने से भी शुभ फल की प्राप्ति होती है।

स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

वैशाख पूर्णिमा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

सूर्योदय स्नान का श्रेष्ठ समय: 05:35 से 07:30 बजे तक
ब्रह्म मुहूर्त: सुबह 04:15 बजे से सुबह 04:58 बजे तक
अभिजित मुहूर्त: सुबह 11:52 बजे से सुबह 12:45 बजे तक
विजय मुहूर्त: दोपहर 02:31 बजे से दोपहर 03:24 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त: शाम 06:55 बजे से 07:17 शाम बजे तक
अमृत काल: शाम 06:56 बजे से रात 08:41 बजे तक
निशिता मुहूर्त: रात 11:57 बजे से रात 12:39 बजे तक

आइब्रो से पता करें सामने वाले व्यक्ति का व्यवहार

आइब्रो चेहरे की सुंदरता को बढ़ा देती है। आइब्रो के शेप से चेहरा और अधिक खूबसूरत दिखने लगता है,लेकिन क्या आप जानते हैं, आपकी आइब्रो का आकार आपके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बता सकता है? अगर नहीं तो ये खबर आपके लिए है। आज हम आपको बताएंगे कि आइब्रो के आकार से आप व्यक्ति के व्यवहार के बारे में बता सकते हैं। बता दे कि यह एक मजेदार और दिलचस्प व्यक्तित्व परीक्षण है, जो आपको खुद को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकता है।

पतली आइब्रो वाले व्यक्ति

बात करें पतली आइब्रो वाले व्यक्ति कि तो ऐसे लोग निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करते हैं और अक्सर दूसरों पर निर्भर रहते हैं। यह लोग जरूरत से ज्यादा सोचते हैं और छोटी-छोटी बातों पर बहुत चिंता करने लगते हैं। पतली आइब्रो वाले शांत और धैर्यवान होते हैं साथ ही रचनात्मक और कल्पनाशील भी होता है।

घनी आइब्रो वाले व्यक्ति

अगर आपकी आइब्रो घनी है, तो यह आपके स्वतंत्र विचारों वाले व्यवहार को दर्शाता है। ऐसे लोग अपनी सोच में स्वतंत्र रहते हैं और दूसरों के दबाव देने पर झुकते नहीं है। ये लोग जीवन का भरपूर आनंद लेते हैं और एक बार जो ठान लेते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं।

धनुषाकार आइब्रो वाले व्यक्ति

अगर आपकी आइब्रो का आकार धनुषाकार है, तो ऐसे लोग जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ये लोग दूसरों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। ऐसी आईब्रो वाले लोग ईमानदार और सच्चे होते हैं। इन्हें दूसरों के सामने खुलकर बोलने में थोड़ा समय लगता है, लेकिन एक बार सहज होने पर वे अपने विचारों को व्यक्त करते हैं।

सीधी आइब्रो वाले लोग

सीधी आइब्रो वाले लोग भावनाओ से ज्यादा तर्क और तथ्यों पर भरोसा करते हैं। वह सोचने में स्पष्ट और व्यवस्थित होते हैं, ऐसे लोग भरोसेमंद और विश्वसनीय होते हैं। लेकिन ध्यान रहे ऐसे लोग अपनी राय पर अड़े रहते हैं और दूसरों के दृष्टिकोण को बदलने के लिए तैयार नहीं होते हैं। वे नियमों का पालन करने में सख्त हो सकते हैं।

आपस में जुड़ी हुई आइब्रो

जिनकी आइब्रो आपस मे जुडी हुई होती है, ऐसे लोग नए विचारो को उत्पन्न करने और समस्याओं को हल करने में सक्षम होते हैं। वे दूसरों के प्रति काफी दयालु होते हैं। यही नहीं ऐसे लोगों के पास एक मजबूत सहज ज्ञान होता है। वह योजना बनाने मे हमेशा तैयार रहते हैं। लेकिन ध्यान रहे ऐसे लोग आसानी से नाराज हो सकते हैं।

दीवार के रंगों के साथ इस तरह से मैच करें पर्दे

घर को सजाना मतलब सिर्फ फर्नीचर नहीं, हर छोटी चीज का भी ख्याल रखना होता है। पर्दे भी आपके घर की सजावट में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। सही पर्दे लगाने से घर का लुक बदल जाता है। दीवारों के रंग के साथ पर्दों को कैसे मिलाएं और भी खूबसूरत दिखे। आइए जानते हैं कैसे आप दीवारों के रंगों के साथ पर्दों का मिलान करके अपने घर की खूबसूरती में चार चांद लगा सकते हैं।

1.रंग का मिलान : अपने घर की दीवारों के रंगों को देखें और उसी के अनुसार पर्दे के रंगों का चयन करें। अगर दीवारें हल्के रंग की हैं, तो आप गहरे रंग के पर्दे चुन सकते हैं जो दीवारों के रंग को उभारे।

2.पैटर्न और डिजाइन: दीवार पर अगर कोई पैटर्न या डिज़ाइन है, तो पर्दों में सिंपल लुक चुनें जिससे वह ज्यादा भीड़भाड़ न लगे। वहीं, अगर दीवारें सादी हैं, तो आप पर्दों में थोड़े पैटर्न या डिजाइन का चुनाव कर सकते हैं।

3.कपड़े का प्रकार: पर्दों का कपड़ा भी महत्वपूर्ण होता है। हल्के और शीर कपड़े अधिक नेचुरल रोशनी अंदर आने देते हैं, जबकि गहरे और भारी कपड़े अधिक अंधेरा करते है।

4.मौसम के अनुसार : मौसम के अनुसार पर्दे चुनना भी एक अच्छा विचार है। गर्मियों में हल्के कपड़े के पर्दे और मोटे कपड़े के पर्दे सही रहते है। मौसम के अनुसार : मौसम के अनुसार पर्दे चुनना भी एक अच्छा विचार है। गर्मियो मे हल्के कपड़े के पर्दे और सर्दियों में मोटे पर्दे सही रहते हैं।

अपनी शानदार छुट्टियों की बनाएं योजना

गर्मियां दरवाजे पर दस्तक दे रही है इसी के साथ वक्त है अपनी शानदार छुट्टियों की योजना बनाने का। कल्पना कीजिये सूर्य की चमक अपने चरम पर है, लहरें सनसनी मचा रही हैं और हवा की सरसराहट में रोमांच की भीनी-भीनी महक भरी है। मगर आप अपने दिल को थाम लीजिये, क्योंकि हम आपकी छुट्टियों की योजना को अनूठा बना कर आपको हैरान करने जा रहे हैं! अमेज़न पे से हम आपकी ट्रिप को बेहद आसन और मजेदार बनाने जा रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं रहा होगा। बुकिंग की झिकझिक और लॉजिस्टिक्स की झंझट को गुडबॉय तथा सुविधाओं एवं रोमांच से भरपूर दुनिया का एन्जॉय करने के लिए तैयार हो जाइये। फ्लाइट, कैब, होटल बुकिंग से लेकर फंकी ट्रैवल गैजेट्स तक, के लिए आपकी गर्मियों की छुट्टी की शानदार योजना बनाने के लिए हमारे पास आपके लिए संपूर्ण जानकारी है। तो, करो अपना बैग पैक, सनस्क्रीन को रखो साथ, और अमेज़ॅन पे के संग अपने समर डेटीनेशन की योजना बनाएं।

कपड़ों से पसीने की स्मेल हटाने के उपाय

गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से बहुत से लोग परेशान रहते हैं, खासकर जब यह बदबू कपड़ों से आती है। कपड़ों से आने वाली पसीने की दुर्गंध न सिर्फ खुद को, बल्कि आसपास के लोगों को भी असहज कर सकती है। अगर आप भी इससे दिक्कत महसूस कर रहे हैं तो परेशान न हों। हम आपके लिए कुछ बहुत ही सरल घरेलू नुस्खे लेकर आए हैं जो आसानी से यह समस्या दूर कर देंगे।

नींबू का उपयोग

नींबू के रस में एंटीबैक्टीरियल गुण होते है जो कपड़ों की बदबू दूर कर सकते हैं। आप या तो नींबू का रस सीधे पसीने के निशान वाले हिस्से पर रगड़ें या कपड़े धोने के पानी में मिला दें। इससे दुर्गंध में कमी आएगी और कपड़े ताजगी से भर उठेंगे।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा भी पसीने की बदबू को खत्म करने का एक अच्छा तरीका है। आप इसे उन जगहों पर लगाएं जहां पसीने के दाग हैं। बस थोड़ा सा बेकिंग सोडा लें और दाग पर छिड़कें। इसे कुछ घंटे वैसे ही छोड़ दें, फिर उस कपड़े को अच्छी तरह से धो लें। इससे कपड़े से बदबू चली जाएगी और वे फिर से ताजा महसूस होंगे।

ताजे कपड़े पहनें

गर्मी के दिनों मे हमेशा साफ और सूखे कपड़े पहनना चाहिए। इस मौसम मे कपड़े अक्सर बदले और उन्हें खुली और हवादार जगह पर सुखाएं। ऐसा करने से कपड़े लंबे समय तक ताजा रहेंगे और दुर्गंध से बचे रहेंगे।

सिरका

सिरका भी कपड़ों से बदबू हटाने का बहुत अच्छा उपाय है। आप कपड़े धोने के पानी में थोड़ा सिरका मिला सकते हैं, इससे बदबू दूर होगी। अगर कपड़े पर ज्यादा स्मेल है, तो आप सीधे उस जगह पर सिरका लगा सकते हैं। इसे थोड़ी देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें, फिर धो लें। इससे स्मेल चली जाएगी और कपड़े फिर से फ्रेश हो जाएंगे।

सुरक्षा बनाम आधुनिक फ्रॉड

एक नई धोखाधड़ी (फ्रॉड) रिसर्च रिपोर्ट एक्सपेरियन ने Forrester Consulting के अध्ययन पर आधारित जारी की है। इस अध्ययन में भारत सहित नौ देशों के लगभग 1,000 वरिष्ठ फ्रॉड लीडर्स को शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, धोखाधड़ी की रफ्तार व्यवसायों की उसे रोकने की क्षमता से तेज हो गई है। भारत की कई कंपनियां खुद को इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं मानतीं। करीब 69% का कहना है कि उनकी मौजूदा टेक्नोलॉजी तेजी से बदलते फ्रॉड के तरीकों से निपटने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं है।

आज के समय में धोखाधड़ी करना पहले से ज्यादा तेज, सस्ता और आसान हो गया है। संगठित गिरोह और Generative AI जैसे नए टूल्स इसे और ज्यादा एडवांस बना रहे हैं। अब पहचान की जांच मुख्य निशाना बन गई है। अलग-अलग सेक्टर में अलग तरह के फ्रॉड बढ़ रहे हैं। फाइनेंशियल सर्विसेज और टेलीकॉम कंपनियों में पहचान की चोरी और सोशल इंजीनियरिंग के मामले बढ़ रहे हैं। वहीं ई-कॉमर्स में रिफंड का गलत इस्तेमाल और 'फ्रेंडली फ्रॉड' में बढ़ोतरी हो रही है।इन चुनौतियों के बावजूद कंपनियां सुधार की कोशिश कर रही हैं। करीब 83% कंपनियां व्यवहार ट्रैकिंग और डिवाइस इंटेलिजेंस जैसे आसान फ्रॉड चेक अपनाना चाहती हैं। इससे असली ग्राहकों को कम परेशानी होती है। लगभग 64% कंपनियां फ्रॉड चेक को क्रेडिट रिस्क सिस्टम के साथ जोड़कर एक मजबूत सिस्टम बनाने की योजना बना रही हैं।धोखाधड़ी से लड़ने में मशीन लर्निंग एक अहम टूल बनता जा रहा है। करीब 54% यूजर्स ने इसके इस्तेमाल के बाद बेहतर सटीकता देखी है। साथ ही 65% का कहना है कि इससे यह तय करना आसान होता है कि किन मामलों की मैन्युअल जांच करनी चाहिए। भारत में करीब 76% कंपनियों का कहना है कि उनके पास मशीन लर्निंग सिस्टम बनाने

या संभालने के लिए पर्याप्त एक्सपर्ट्स नहीं है। फिर भी 74% कंपनियां इसे अपनाने की योजना बना रही हैं।AI से जुड़े फ्रॉड को लेकर चिंता बढ़ रही है।
करीब 65% कंपनियों का मानना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा खतरा है। लगभग 69% कंपनियों का कहना है कि उनके मौजूदा KYC और पहचान जांच सिस्टम AI से बने नकली दस्तावेज़ों को आसानी से पहचान नहीं पाते। करीब 74% कंपनियों ने ऐसे फ्रॉड प्रयासों में बढ़ोतरी देखी है। अभी जो दिख रहा है, वह समस्या का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है। वहीं करीब 57% कंपनियों को यह पहचानना मुश्किल लगता है कि किसी फ्रॉड में GenAI का इस्तेमाल हुआ था या नहीं, जिससे इसका सही असर समझना मुश्किल हो जाता है।

आबकारी विभाग ने की कार्रवाई, डोंगरगढ़ में यह दूसरा मामला

ये मिलावट फैक्ट्री तो नहीं, डोंगरगढ़ में मिली 27 पेटी मप्र की शराब, खाली बोतल और ढक्कन भी जब्त

विभागीय टीम पूरे रैकेट को पकड़ने में जुटी, जांच जारी

राजनांदगांव। जिले के डोंगरगढ़ इलाके में पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश की शराब की बड़ी खेप पकड़ाई है। आबकारी विभाग ने यह कार्रवाई की है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि जिस स्थान से टीम ने शराब की पेटियां बरामद की है। उस जगह से खाली बोतलें और स्टीकर भी मिले हैं। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यहां शराब में मिलावट और पैकिंग का काम भी किया जा रहा था। इसे लेकर आबकारी विभाग कार्रवाई कर रही है। विभागीय जानकारी के अनुसार डोंगरगढ़ के कतली-मुसरा के पास सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने बुधवार शाम को रेड कार्रवाई की। समाचार लिखे जाने तक यह जानकारी मिली कि मौके से आबकारी टीम को 27 पेटी शराब मिली है, वह पड़ोसी राज्य की होना बताया जा रहा है। इसके अलावा यह भी स्पष्ट हो गया है कि यहां शराब में मिलावट की जा रही थी। साथ ही पैकिंग का काम भी पड़ोसी राज्य की शराब से किया जा रहा था। आबकारी अधिकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि शराब पड़ोसी राज्य की मिली है, कार्रवाई जारी है। आगे जांच में जो जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा।

पहले भी आया चुका है ऐसा मामला सामने

पिछले साल डोंगरगढ़ के करवारी में भी ऐसा ही एक मामला सामने आ चुका है।जहां शराब की खेप से सीधे पैकिंग, स्टीकर, होलोग्राम जैसे पूरे काम फर्जी तरीके से किए जा रहे थे। उस पर कई आरोपी अरेस्ट हुए थे। लेकिन मुख्य आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। दूसरी तरफ डोंगरगढ़ ब्लॉक के कतली-मुसरा एरिया में वैसा ही मामला सामने आ गया है। देखना होगा कि इसमें कब क्या-क्या सामने आता है।

शहर के 50 से अधिक चाट गुपचुप, गन्ना जूस और स्ट्रीट फूड दुकानों में खाद्य सुरक्षा विभाग ने दी दबिश

कवर्धा। राज्य शासन के सही दवा शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार अभियान के तहत जिले के खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने पुलिस विभाग के साथ कवर्धा में 27 और 28 अप्रैल को खाद्य पदार्थों के विक्रय की सघन जांच की। इस दौरान चाट गुपचुप, गन्ना जूस और स्ट्रीट फूड बेचने वाले 50 से अधिक दुकानों का औचक निरीक्षण किया। दुकानदारों को साफ सफाई बनाए रखने और गुणवत्ता पूर्ण सामग्री विक्रय करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान एग रोल सेंटर और हरियाणा जलेबी दुकानों में खाद्य पदार्थों का विक्रय अखबारी कागज में करते पाए जाने पर ऐसा नहीं करने की कड़ी हिदायत देते हुए समझाइश दी गई कि अखबार की छपाई में उपयोग होने वाला स्याही स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है, और खाद्य पदार्थों में अवशोषित होकर इसका शरीर में जाना कई गंभीर रोगों का कारक हो सकता है। अतः अन्य सुरक्षित विकल्प में खाद्य पदार्थ विक्रय किए जाएं। इसी प्रकार सुमित बाजार के परिसर में संचालित सोफ्टी आइस सेंटर के द्वारा प्रयोग की जा रही एक्सपायर्ड फ्लेवर्ड मॉकटेल टॉपिंग को मौके पर ही नष्ट कराया गया एवं भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दी गयी है। उल्लेखनीय है कि 27 अप्रैल से 11 मई तक जिले में सही दवा शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार अभियान चल रहा है। जिसके तहत जिले के खाद्य सुरक्षा विभाग में बीते दो दिनों में खाद्य पदार्थों के विक्रय की सघन जांच की।

आयुक्त ने दिए निर्देश... टंकी पूरी भरने के बाद ही हो सप्लाई, पाइपलाइन की करें जांच

शहर के जनता कालोनी, कंचनबाग का निगम कमिश्नर किया दौरा

राजनांदगांव। गर्मी दिनों में कई वार्डों में गंदे पानी और कम सप्लाई होने की समस्या आ रही है। इसे देखते हुए नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने शहर के वार्डों में जाकर लोगों से चर्चा कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने जनता कालोनी, कंचनबाग वार्ड का निरीक्षण किया। यहां वार्डवासियों से भी आयुक्त ने चर्चा की और समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया।

इसके अलावा उन्होंने कंचनबाग टंकी को पूरा भरने के बाद ही वाल्व खोलने के निर्देश दिए। साथ ही वार्ड में जहां समस्या है, वहां जाकर सप्लाई चेक करने की बात कही। आयुक्त विश्वकर्मा ने जनता कालोनी में रोड एवं नाली मे बिल्डिंग मटेरियल रखे देख कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मूलभूत सुविधा सफाई, पानी, बिजली की वार्डों में व्यवस्था देखने प्रतिदिन की तरह लखोली, कंचनबाग, जनता कालोनी में सुबह पेयजल सप्लाई देख आयुक्त ने लोगों से चर्चा किए। उन्होंने पानी प्रभावित क्षेत्र में नियमित टैंकर से पानी सप्लाई करने संबंधित को निर्देश दिए। पेयजल सप्लाई के अलावा साफ सफाई निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रतिदिन सुबह समय में उपस्थिति लेकर उपस्थित कर्मचारी निर्धारित समय तक कार्य करे इसका विशेष ध्यान रखने वार्ड प्रभारी को निर्देशित किए। सार्वजनिक शौचालय एवं तालाबों के आसपास साफ सफाई रखने वार्ड प्रभारी को निर्देशित किए। उन्होंने कहा कि सघन बस्ती में प्रतिदिन गलियों एवं नालियों को नियमित सफाई कर कचरा उठवे। जनता कालोनी में सड़क व नाली में बिल्डिंग मटेरियल देख संबंधित पर 5 सौ रुपए जुर्माना लगाया। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण एवं गंदगी व मलबा फैलाने वाले के विरूद्ध कार्यवाही करे। उन्होंने वार्डवासियों से चर्चा कर घर का कचरा रोड, नाली में न डालकर घर-घर कचरा संग्रहण करने वाली स्वच्छता दीदियों को देने समझाइश दिए।

फूड मोबाइल यूनिट : पूरे लोकसभा क्षेत्र में एक ही वाहन, उस पर महीनेभर से ब्रेक, सैंपल भेज रहे रायपुर

खाद्य सामाग्रियों की जांच मौके पर नहीं हो पा रही, रिपोर्ट आने में हो रही देरी

राजनांदगांव, मोहला-मानपुर, खैरागढ़ और कबीरधाम का काम एक गाड़ी के भरोसे

राजनांदगांव। खाद्य पदार्थों की जांच में राजनांदगांव, कबीरधाम, मोहला-मानपुर और खैरागढ़ जिले का हाल कैसा है, इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि इस पूरे लोकसभा क्षेत्र में केवल एक ही फूड मोबाइल यूनिट है। सबसे बड़ी बात वह भी पिछले एक महीने से बंद पड़ी है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण स्टाफकाम पर नहीं आ रहा है और गाड़ी खड़ी है। इस कारण तत्काल होने वाली जांच नहीं हो पा रही है और सैंपल को रायपुर भेजना पड़ रहा है। जिले के अलावा प्रदेश में भी फूड मोबाइल यूनिट का काम ठप पड़ा हुआ है। मोबाइल यूनिट में एक चालक, टेक्नीशियन और एक असिस्टेंट होता है। वाहन सहित स्टाफ का खर्च केंद्र सरकार से मिलता है। इसके बाद राज्य सरकार इसे जिलेवार प्रदाय करती है। लेकिन अभी जो जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार हर जिले के लिए सिर्फ 25-25 हजार रुपए ही जारी किए गए हैं। इस कारण यूनिट का संचालन करना मुश्किल है। इस कारण भी दिक्कत आ रही है।

हर महीने 70 हजार से अधिक का खर्च

मिली जानकारी के अनुसार वाहन में ईंधन के अलावा तीन स्टॉफ की ड्यूटी होती है। ऐसे में हर महीने इसका संचालन करने के लिए 70 से 80 हजार रुपए का खर्च आता है। अभी केंद्र सरकार से जो राशि राज्य शासन को मिली है, वह मात्र 25 फीसदी ही है। माना जा रहा है कि इसके चलते ही संचालक पर ब्रेक लगा हुआ है। हालांकि अधिकारी आने वाले दिनों में प्रक्रिया पूर्ण होने की बात कह रहे हैं।

800 से 1000 सैंपलों की जांच की जाती है

विभागीय अधिकारियों के अनुसार चारों ही जिलों की बात की जाए तो हर महीने 8 सौ से 1 हजार तक के सैंपल लेकर जांच की जाती है। मोबाइल यूनिट के होने से तेल, दूध, मिठाई में घूल व कई ऐसे जांच है, जिसका तत्काल पता चल जाता था। लेकिन मोबाइल यूनिट नहीं होने से सैंपल रायपुर भेजा जा रहा है। उसके लिए 14 दिनों तक का समय लगता है। इस तरह की देरी हो रही है।

सामान्य सभा की बैठक में रोजगार एवं स्व-रोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के कार्यों की हुई समीक्षा

कवर्धा। जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू की अध्यक्षता में आयोजित सामान्य सभा की बैठक में जिला रोजगार अधिकारी द्वारा सदन को जानकारी देते हुए बताया कि ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन, पोर्टल एवं कॉमन सर्विस सेन्टर के सहायता से शिक्षित युवाओं द्वारा रोजगार हेतु पंजीयन कराया जाता है। वर्तमान में 47897 जीवित पंजीयन होने तथा 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च तक 1820 युवाओं द्वारा पंजीयन कराने की जानकारी दी गई। जिले के युवाओं को रोजगार देने के संबंध में सदन को जिला रोजगार अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रत्येक माह के तृतीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन करना प्रस्तावित किया गया है। जो कि लाईवलीहुड कॉलेज, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वीर सावरकर भवन, हायर सेकेन्डरी स्कूल जैसे स्थानों पर आयोजित होगा। रोजगार मेला हेतु नियोजकों की वास्तविक संख्या एवं मेला स्थल का निर्धारण कर इसकी सूचना पृथक से जारी करने की बात कही गई। सामान्य सभा की बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल, उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी, सदस्य दीपा पप्पू धुर्वे, रामकुमार भट्ट, राजेश्वरी धुरूलहरे, मती पूर्णिमा मनीराम साहू, ललिता रूपसिंह धुर्वे, राज कुमार मेरावी, विरेन्द्र कुमार साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत पंडरिया मती नंदनी राज कुमार साहू एवं विधायक प्रतिनिधि कवर्धा भूखन साहू उपस्थित रहें। सदन को जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी द्वारा भारतीय सेना में अग्नीवीर भर्ती के विषय में बताया गया। कबीरधाम जिले के अधिक से अधिक युवाओं का चयन सुनिश्चित करने के लिए रोजगार कार्यालय द्वारा आवेदन भरने की सुविधा, ऑनलाईन लिखित परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता की तैयारी हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण की जानकारी दी गई।

शोक संदेश- संतोष जैन का निधन

रायपुर। अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि संतोष जैन (मामी)धर्मपत्नी स्वर्गीय बालेश्वर प्रसाद जैन का देवलोक गमन आज दिनांक 29 अप्रैल 2026 बुधवार को प्रातः 4:00 हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा आज सुबह 10:30 बजे निज निवास गणेशराम नगर से निकलकर मारवाड़ी श्मशान घाट रायपुर जाएगी शोकाकुल-सरिता जैन (बेबी) पुत्री 7973878568, तेरवीं कार्य म 1 मई, सुबह 10 बजे - दिगंबर जैन मंदिर, मालवीय रोड में रखा गया है।

मंत्री के निर्देश पर गंभीर हुआ रिसाली

कार्यालय को कबाड़ मुक्त कर आयुक्त ने कोष में जमा कराया 12 लाख

रिसाली। उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के निर्देश का पालन करने रिसाली निगम बेहद संजीदा है। आयुक्त मोनिका वर्मा ने पहल करते रिसाली निगम कार्यालय को कबाड़ मुक्त कराने में सफल हुई है। कबाड़ से ही निगम को 12 लाख की आय हुई है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री ने 20 अप्रैल को समीक्षा बैठक करते निर्देश दिए थे कि कार्यालय में अनुपयोगी वस्तु को हटाए। विधिवत कार्यवाही कर कबाड़ को बेचे। इस बैठक के बाद आयुक्त मोनिका वर्मा ने बिना देरी किए औपचारिकता पूरी कर कार्यालय के अलग-अलग स्थानों में रखे कबाड़ को निलामी प्रक्रिया के तहत हटाने की प्रक्रिया पूरी की। इस प्रक्रिया में कबाड़ से ही निगम को 12 लाख रूपए की आय हुई है। खास बात यह है कि आयुक्त ने पहले से कबाड़ में रखे सामानों को सूचीबद्ध करा लिया था। प्रदेश की राजधानी में हुई मंत्री के समीक्षा बैठक में निर्देश मिलते ही प्रक्रिया में तेजी लाई गई। आयुक्त ने ऑनलाईन निलामी प्रक्रिया को पूरा करने की जिम्मेदारी राजस्व विभाग एवं टैक्स प्रभारी रवि श्रीवास्तव को दी थी।

पांच वर्ष से जमा था कबाड़- मंत्री के निर्देश के बाद प्रदेश का यह पहला निकाय है जहां पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कबाड़ को ऑनलाईन निलाम प्रक्रिया से हटाया गया है। निगम गठन के पश्चात यह पहला अवसर है जब कबाड़ की निलामी प्रक्रिया पूरी की गई है। इस प्रक्रिया के तहत कार्यालय के अलग-अलग स्थानों में रखे 20 से अधिक प्रकार के कबाड़ की बिक्री की जा रही है। इसमें पुराने अखबार, खुले में रखे खराब इलेक्ट्रीकल समान, ई वेस्ट, जल विभाग के जंग लगे पाईप, टुटे फुटे सिंटेक्स टैंक आदि शामिल है।

एमएसटीसी से हुई निविदा- कबाड़ को बेचने निगम ने एमएसटीसी (भारत सरकार का उपक्रम मेटल स्क्रेप, टेªडिंग कंपनी) को सामानों की सूची संलग्न कर प्रस्ताव भेजा था। इसी प्रस्ताव के आधार पर ऑनलाईन निविदा जारी की गई थी। निविदा पश्चात 10 राष्ट्रीय स्तर की कबाड़ व्यापारियों ने बोली लगाते हुए निविदा में शामिल हुए थे। प्रक्रिया के पश्चात चयनित कबाड़ व्यापारी ने दो दिन पूर्व बोली की राशि में से 10 प्रतिशत की राशि और गुरूवार को शेष राशि जमा कर औपचारिकता पूरी की। बाद में सम्पूर्ण राशि गुरूवार को जमा कराकर औपचारिकता पूरी की है।

सीजी बोर्ड रिजल्ट : बीएसपी स्कूलों के स्टूडेंट्स का उत्कृष्ठ प्रदर्शन, 10वीं में हरिका व हंसिका ने किया टॉप

12 वीं में भिलाई विद्यालय के विनय कुमार बघेल ने पाए 93.40 प्रतिशत अंक

K HARIKA
D/O K MOHAN RAO
91.5%

भिलाई। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के हाई स्कूल प्रमाणपत्र (कक्षा 10वीं) एवं उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र (कक्षा 12वीं) परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के अंतर्गत संचालित विद्यालयों ने दोनों स्तरों पर उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज कराया है। कक्षा 10वीं की मेरिट सूची में भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के विद्यार्थियों का विशेष स्थान रहा। हंसिका पाल एवं के. हरिका ने 91.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी विद्यालय की नियति चतुर्वेदी ने 87.80 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिर्री माइंस की निकिता राज लोधी ने 85.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कक्षा 12वीं की शीर्ष तीनों स्थान भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के गणित संकाय के विद्यार्थियों ने प्राप्त किए। विनय कुमार बघेल ने 93.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात सीएच पवन कल्याण ने 91.00 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि मोनिका ने 82.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। बीएसपी के विद्यालयों का परीक्षा परिणाम संतुलित एवं संतोषजनक रहा है, जिसमें टाउनशिप के साथ-साथ खदान क्षेत्र के विद्यालयों ने भी अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रभावी प्रदर्शन किया है।

कक्षा 10वीं परीक्षा में बीएसपी के अंतर्गत संचालित दो विद्यालयों भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 (टाउनशिप) एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिर्री माइंससे कुल 107 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। उत्तीर्ण प्रतिशत 77.57 रहा। इनमें से उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिर्री माइंस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विशेष पहचान बनाई, जहां 29 विद्यार्थियों में से 26 छात्र सफल रहे और विद्यालय का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.66 रहा। वहीं भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में 78 विद्यार्थियों में से 41 छात्र उत्तीर्ण हुए, जिससे विद्यालय का परिणाम 69.23 प्रतिशत रहा।

कक्षा 12वीं परीक्षा में टाउनशिप स्थित बीएसपी के दो विद्यालयों से कुल 118 विद्यार्थी सम्मिलित हुए, जिनका समग्र उत्तीर्ण प्रतिशत 84.75 रहा। भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से सर्वाधिक 103 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 73 छात्र सफल रहे, जिससे विद्यालय का परिणाम 89.32 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-11 में 15 विद्यार्थियों में से 5 छात्र उत्तीर्ण हुए, जिससे विद्यालय का उत्तीर्ण प्रतिशत 53.33 रहा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण पर दिए दिशा-निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राचीन पांडुलिपियों के संग्रहकर्ता राम कुमार वर्मा से मुलाकात कर उनके द्वारा संकलित दुर्लभ पांडुलिपियों का अवलोकन किया।

इस दौरान कलेक्टर ने पांडुलिपियों के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर सिंह ने कहा कि प्राचीन पांडुलिपियां हमारी समृद्ध विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनका संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि जिले के आम नागरिकों से अपील करता हूं कि अगर आपके पास प्राचीन पांडुलिपियां उपलब्ध है तो जिला प्रशासन से संपर्क कर या फिर क्षेत्र सर्वेयरों से संपर्क कर उसे प्रशासन को अवश्य उपलब्ध कराएं 7 उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन पांडुलिपियों को सुरक्षित रूप से संरक्षित करते हुए चरणबद्ध तरीके से डिजिटल माध्यम में परिवर्तित कर निर्धारित पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि यह अमूल्य धरोहर आमजन एवं शोधकर्ताओं के लिए सुलभ हो सके।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com